केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जो सम्मान से कभी गर्वित नहीं होते, अपमान से क्रोधित नहीं होते और क्रोधित होकर भी,जो कभी कठोर नहीं बोलते, वास्तव में वे ही श्रेष्ठ होते हैं..

वर्ष : 16 अंक : 266 | उज्जैन, रविवार 08 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

नारी सशक्तिकरण का रोल मॉडल बन रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बीते वर्षों में नारी सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की गई हैं। बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखते विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नवाचार भी किये गये हैं। साथ ही महिलाओं के समग्र सामाजिक, आर्थिक विकास के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण भी चलाया जा रहा है। इन सभी प्रयासों के सुखद परिणामों से मध्यप्रदेश नारी सशक्तिकरण का रोल मॉडल बन रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी चार प्रमुख प्राथमिकता वर्गों में महिलाओं को शामिल करते हुए देश की प्रगति को इन वर्गों की प्रगति से जोड़कर महिला कल्याण को प्राथमिकता देने का आव्हान किया है। इस नाते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला कल्याण कार्यक्रमों पर फोकस करने की रणनीति तैयार की।

प्रदेश में 453 एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं के अंतर्गत 97,882 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, जिनके माध्यम से लगभग 84 लाख हितग्राहियों को सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। आंगनवाड़ियों में जियो-फेंसिंग आधारित ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। प्रदेश कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की पारदर्शी ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर देश का पहला राज्य बना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के लिए 3,768 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

पोषण 2.0 के अंतर्गत मातृ एवं शिशु पोषण, गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार और निगरानी के लिए पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से सभी आंगनवाड़ियों की मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रदेश में फेस मैचिंग प्रणाली लागू कर 94 प्रतिशत हितग्राहियों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है, जिसमें देश में प्रथम स्थान पर है। पूरक पोषण आहार कार्यक्रम के अंतर्गत टेक होम राशन और गर्म पका भोजन योजना से 60 लाख से अधिक बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को लाभ मिल रहा है। इस बार के बजट में पोषण आहार के लिए 1,150 करोड़ रुपये तथा पोषण अभियान के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 2025 में पंजीकृत 7.37 लाख गंभीर कुपोषित बच्चों में से 3.71 लाख बच्चों को सामान्य पोषण स्तर पर लाया गया। झाबुआ जिले के मोटी आई नवाचार को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदेश में 5,263 नए आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण प्रगति पर है। प्रदेश में बड़ी संख्या में 38,900 आंगनवाड़ी भवनों में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना भी प्रस्तावित है। भवन निर्माण, उन्नयन और आधारभूत सुविधाओं के लिए 459 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) में बैगा, भारिया और सहरिया समुदायों के लिए 704 विशेष आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश वर्ष 2023-24 में स्वीकृत 217 भवनों में से 150 पूर्ण कर देश में प्रथम स्थान पर रहा है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की सबसे बड़ी डीबीटी योजना बन चुकी है। वर्तमान में 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की सहायता दी जा रही है। जून 2023 से फरवरी 2026 तक 52,305 करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है। वर्ष 2026-27 में इस योजना के लिए 23,882 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बनी मध्यप्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी योजना में अब तक 52.56 लाख बालिकाओं का पंजीयन हुआ है। इस योजना में भी 1,801 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया गया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं, जिनमें लाखों नागरिकों की सहभागिता रही।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रदेश लगातार अग्रणी रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए 386 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में 57 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं तथा 8 नए केंद्रों की स्वीकृति मिली है। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से इस वर्ष 1.43 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। भोपाल और इंदौर में सखी निवास संचालित हैं, जबकि 8 नए वर्किंग वूमन हॉस्टल स्वीकृत किए गए हैं। शक्ति सदन, शौर्या दल योजना और समेकित बाल संरक्षण योजना के माध्यम से हजारों महिलाओं एवं बच्चों को संरक्षण और पुनर्वास सहायता प्रदान की जा रही है। मध्यप्रदेश महिला वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से हजारों स्व-सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को आर्थिक सहायता एवं ब्याज अनुदान प्रदान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए कुल 32,730 करोड़ 45 हजार रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है, जो प्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

बीजेपी नेता की पकड़ी गई अवैध अफीम खेती, पुलिस ने फार्महाउस पर मारा छापा; पार्टी ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली/ जीएनएस। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार को उनकी कृषि भूमि पर अवैध अफीम (पोस्त) की खेती के आरोपों के कारण पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। शनिवार को जारी एक औपचारिक पत्र में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया।

कौन है विनायक ताम्रकार- ताम्रकार भाजपा किसान मोर्चा के तहत चावल मिल प्रसंस्करण परियोजना के राज्य समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। यह विवाद तब शुरू हुआ जब छह मार्च को पुलिस और प्रशासन की टीम ने ताम्रकार के फार्महाउस पर छापा मारा। अधिकारियों को डेढ़ एकड़ भूमि पर अवैध अफीम की खेती का पता चला। इस घटना के बाद विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भाजपा पर तीखे हमले किए।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा उन व्यक्तियों की रक्षा कर रही है, जो गंभीर अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को फार्महाउस का दौरा किया और इस मामले को विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया।

जांच में यह भी सामने आया है कि जिस जमीन पर अफीम की खेती की जा रही है, वह विनायक ताम्रकार की चचेरी बहनों के नाम पर है। पुलिस ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया है। यह भी पता चला है कि इस जमीन को जोधपुर, राजस्थान के आचल दास ने लीज पर लिया था। जो फरार है।

भारत की जीत के स्टार संजू सैमसन तिरुवनंतपुरम से हैं, राहुल गांधी ने क्या कहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने क्रिकेटर संजू सैमसन के शानदार प्रदर्शन पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा, यह देखकर अच्छा लग रहा है कि टी20 विश्व कप के क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में भारत की जीत के स्टार संजू सैमसन तिरुवनंतपुरम से हैं। वे एक प्रसिद्ध क्रिकेटर हैं, इसलिए हम उन्हें और केरल की जनता को बधाई दे रहे हैं, लेकिन केरल में और केरल से बाहर रहने वाले लाखों ऐसे लोग हैं जो हर रोज हमारे देश को गौरवान्वित करते हैं। राहुल गांधी ने कहा, दूसरा सवाल जो मैं पूछना चाहता हूं, वह केरल के सबसे पवित्र स्थलों में से एक सबरीमाला मंदिर के बारे में है। सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी हो गया। सीपीएम के कई नेता जेल गए। और जांच को ऊपर तक पहुंचने से रोका गया। चिंता मत कीजिए। हम सबरीमाला का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मेरे वाम मोर्चा के साथी कार्यकर्ताओं से एक सवाल है। आप खुद को कम्युनिस्ट सरकार कहते हैं। कृपया बताइए कि आज केरल में आपकी सरकार में क्या कम्युनिस्ट है? यह केरल की अब तक की सबसे ज्यादा कॉर्पोरेटवादी सरकार है। वास्तव में, मेरे पास उनके लिए एक सुझाव है। आपका नाम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी है। इसे बदलकर भारतीय कॉर्पोरेटिस्ट पार्टी कर लीजिए। कम से कम आप जो कहते हैं, उसके अनुसार खड़े हो जाइए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, मेरे खिलाफ 36 मामले हैं। मुझे ईडी ने लगातार 55 घंटे पूछताछ की। केरल के मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर ईडी ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? इसका कारण यह है कि वे साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वास्तव में, केरल में सीपीएम और बीजेपी नहीं है। यह सीजेपी है। सबको पता है कि वे केरल में साझेदार हैं और यूडीएफ को हराने के लिए साथ काम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, बिल्कुल उसी तरह जैसे ट्रंप पीएम मोदी को नियंत्रित करते हैं, पीएम मोदी केरल के मुख्यमंत्री को नियंत्रित करते हैं। सबको यह पता है। अगर आप सीपीएम के कार्यकर्ताओं से गंभीरता से यह सवाल पूछेंगे, तो वे मान लेंगे कि मैं जो कह रहा हूं, वह सही है। मैं समझना चाहता हूं कि सीबीआई और ईडी विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों करती हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री या केरल के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करतीं।

भारत के साथ उन्नत ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर पोलैंड का जोर, ऑपरेशन सिंदूर में पाक को चटाई थी धूल

नई दिल्ली/ जीएनएस। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर किए गए हमलों में पोलैंड में निर्मित ड्रोन्स की महत्वपूर्ण भूमिका के बाद, अब पोलैंड भारत के साथ रक्षा क्षेत्र विशेष रूप से उन्नत ड्रोन प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की तैयारी में है।

पोलैंड के आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अवर सचिव, मिशाल बारानोव्स्की ने घोषणा की है कि पोलैंड, भारत को केवल एक बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक भागीदार के रूप में देख रहा है। पोलैंड अगले कुछ महीनों में ज्वाइंट वेंचर के माध्यम से भारत में रक्षा उपकरणों का उत्पादन शुरू करने का इच्छुक है। उन्होंने आगे कहा कि पोलिश कंपनी डब्ल्यूबी ग्रुप अपनी भारतीय सहायक इकाई के माध्यम से मेक इन इंडिया के तहत ड्रोन निर्माण को बढ़ावा दे रही है। पोलैंड के पास विश्व स्तरीय निगरानी और आत्मघाती ड्रोन्स हैं, जिनका साझा उपयोग भविष्य में और बढ़ाया जाएगा।

अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पोलैंड यात्रा के बाद दोनों देशों के संबंध रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

पर्याप्त स्टॉक के बावजूद बढ़ गई एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत, क्या है इसकी वजह?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर उसके असर की आशंकाओं के बीच भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है।

सरकारी क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की वेबसाइट के अनुसार, 14.2 किलोग्राम का गैर-सब्सिडी वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब दिल्ली में 913 रुपये का हो गया है, जो पहले 853 रुपये का था। यह पिछले 11 महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी है। इससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में 50 रुपये की वृद्धि की गई थी। आपूर्ति बाधित होने की संभावनाओं को देखते हुए अंदरखाने सतर्कता बढ़ा दी गई है। सरकारी तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर भी पड़ेगा असर- एलपीजी कीमत बढ़ने से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर भी असर पड़ेगा। हालांकि उन्हें प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है, जिसके बाद अब उन्हें 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के लिए 613 रुपये चुकाने होंगे। यह नई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। घरेलू गैस के साथ-साथ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमत भी बढ़ाई गई है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की बढ़ोतरी- होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 114.5 रुपये बढ़कर 1,883 रुपये हो गई है। इससे पहले 1 मार्च को भी इसमें 28 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

स्पीकर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से शुरू होगा बजट सत्र का दूसरा चरण, हंगामे के पूरे आसार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बजट सत्र का पहला चरण सत्ता पक्ष और विपक्ष की तीखी तकरार की भेंट चढ़ गया और अब दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है। चूंकि, इस सत्र की शुरुआत ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के साथ होनी है, इसलिए हंगामे के पूरे आसार हैं।

इसके अलावा ईरान-इजरायल युद्ध, ईरानी सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत पर भारत के संतुलित रुख और रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी दावे-दखल जैसे मुद्दों पर विपक्ष की जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उससे इशारा मिलता है कि इनके सहारे सरकार को घेरने का प्रयास होगा। वहीं, सरकार भी कमर कसकर तैयार दिख रही है। एआई इम्पैक्ट समिट में अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के सामने कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन के मामले में अन्य विपक्षी सहयोगियों का साथ न मिलने से कांग्रेस अकेले कठघरे में खड़ी है तो इसे देश के अपमान से जोड़कर सरकार भी करारा पलटवार कर सकती है।

इन मुद्दों पर हो सकता है गतिरोध- बजट सत्र के दूसरे चरण में वैश्विक संघर्ष और उसके प्रभाव संसद में गतिरोध का कारण बन सकते हैं। विपक्षी दल रूसी तेल की खरीद जारी रखने में अमेरिका के दावे को आधार बनाकर संसद में भी इन आरोपों के साथ चर्चा कराना चाहेगा कि भारत अमेरिका के दबाव में है, क्योंकि राहुल गांधी इस मुद्दे को तूल दे भी रहे हैं।

इसके साथ ही भारतीय समुद्री क्षेत्र में ईरानी युद्धपोत पर हमले की घटना को विपक्ष भारत के लिए सामरिक चुनौती के रूप में पेश कर सकता है। वहीं, खामेनेई की मौत पर भारत सरकार की शुरुआती चुप्पी पर भी कांग्रेस ने खास तौर पर सवाल उठाए हैं।

अपनी राजनीति चमकाने के लिए राष्ट्रपति का इस्तेमाल कर रही भाजपा, ममता बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकाता/ जीएनएस। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा- भाजपा संविधान को किस स्तर पर ले गई है, यह कहने में भी अब लज्जा आती है। वह अपनी राजनीति बेचने के लिए अब राष्ट्रपति को बंगाल भेज रही है।

राष्ट्रपति का हम सम्मान करते हैं लेकिन वह भाजपा के जाल में फंस गई हैं। ममता ने आगे कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में राज्य सरकार को जानकारी ही नहीं थी। हमें सिर्फ उनके बंगाल आने व लौटने के समय की जानकारी थी। मुख्यमंत्री ने प्रश्न किया कि मणिपुर में जब आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे थे, तब वे क्यों चुप थीं? देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों पर हमले होने पर वे चुप रहती हैं। सिर्फ बंगाल पर निशाना साधती हैं।

दूसरी तरफ भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता सरकार को आदिवासी विरोधी करार देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के दौरे को लेकर राज्य सरकार ने हरेक प्रोटोकाल को तोड़ा।

सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जन औषधि परियोजना, बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) देश के प्रत्येक नागरिक को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से अनगिनत परिवार स्वास्थ्य देखभाल खर्चों में बचत कर रहे हैं और उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं- पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जन औषधि दिवस 2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से लाभांवित होने वाले सभी लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह पहल गुणवत्तापूर्ण दवाओं को किफायती दामों पर उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

2016 में शुरू की गई थी योजना- पीएमबीजेपी नवंबर 2016 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में सुधार करना है। अधिकारियों ने कहा कि जन औषधि लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बना रही है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा प्रणालियां तभी सबसे मजबूत होती हैं, जब वे सुलभ और समावेशी दोनों हों।

ममता सरकार के बर्ताव से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु खफा, पीएम मोदी और अमित शाह ने भी जताई नाराजगी

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को बंगाल के सिलीगुड़ी में नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में ममता सरकार के बर्ताव पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में आदिवासियों को जाने से रोका गया। सरकार का कोई प्रतिनिधि भी उनका स्वागत करने नहीं आया।

इतना ही नहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छोटी बहन कहते हुए कहा कि लगता है वह मुझसे काफी नाराज हैं। राष्ट्रपति ने आदिवासी समाज के पिछड़ेपन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बिहार, बंगाल, झारखंड व ओडिशा में आदिवासी समुदाय की बहुलता है। यह समुदाय आज भी काफी पिछड़ा हुआ है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था को शर्मनाक बताया हुए कहा कि यह पहले कभी नहीं हुआ। हर कोई जो डेमोक्रेसी और आदिवासी समुदायों के एम्पावरमेंट में विश्वास करता है, निराश है। राष्ट्रपति जी, जो खुद एक आदिवासी समुदाय से हैं, ने जो दर्द और पीड़ा जाहिर की है, उससे भारत के लोगों के मन में बहुत दुख है।

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की भ्रष्ट सरकार ने सच में सारी हदें पार कर दी हैं। राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका एडमिनिस्ट्रेशन जिम्मेदार है। यह भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल कल्चर जैसे जरूरी विषय के साथ पश्चिम बंगाल सरकार इतनी लापरवाही से पेश आती है।

राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और इस पद की पवित्रता का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल सरकार और भ्रष्ट में समझदारी आएगी।

भ्रष्ट ने भारत के राष्ट्रपति का अपमान किया- शाह- राष्ट्रपति के बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार आज अपने अराजक व्यवहार से और भी निचले स्तर पर गिर गई है। उन्होंने प्रोटोकॉल की पूरी तरह अनदेखी करके भारत के राष्ट्रपति का अपमान किया है।

उन्होंने कहा कि इस घटना ने तृणमूल सरकार की गहरी गिरावट को सामने ला दिया है। एक सरकार जो अपनी मर्जी से नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है, वह देश के सबसे ऊंचे संवैधानिक पद - राष्ट्रपति का भी अपमान करने से नहीं हिचकिचाती।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया गेर मार्ग का निरीक्षण

रंग पंचमी की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में परम्परागत रूप से आयोजित होने वाली रंगपंचमी की गेरें 8 मार्च रविवार को निकलेंगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों के दल और गेर आयोजकों के साथ आज गेर मार्ग का निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। इस दौरान एडीएम श्री रोशन राय सहित नगर निगम एवं अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त श्री सिंघल ने निर्धारित गेर मार्गों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम, पुलिस के अधिकारियों के साथ टोरी कार्नर, मल्हारगंज से लेकर राजबाड़ा, कृष्णपुरा तक गेर मार्ग का पैदल चलकर निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेर मार्ग पर पुख्ता व्यवस्था की जाए। बताया गया कि गेर मार्ग पर विद्युत सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जीर्ण-शीर्ण भवनों पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। इन भवनों पर सूचना पटल भी लगाये जायेंगे। गेर मार्ग पर सभी आवश्यक बंदोबस्त किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि पूरे मार्ग पर निगरानी के लिये ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। साथ ही कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा हैं। बेरिकेटिंग की भी व्यवस्था रहेगी। आकस्मिक चिकित्सा के लिये भी प्रबंध किये जा रहे हैं। निर्धारित स्थानों पर एम्बुलेंस और अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था भी रहेगी। इंदौर शहर की इस पहचान के त्यौहार को देखने के लिए गेर मार्ग के भवनों पर नागरिकों के लिए बैठने की भी व्यवस्था की जा रही है।

गेर के मार्ग पर केबल व तार पर्याप्त व सुरक्षात्मक ऊंचाई पर किए गए हैं, वहीं कुछ स्थानों पर ट्रांसफार्मर के पुराने, क्षतिग्रस्त बॉक्स बदले गए है। बिजली कंपनी का अस्थाई कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। विभिन्न ग्रिड, ट्रांसफार्मरों के पास बिजली कर्मचारी तैनात रहेंगे। इस दौरान सुरक्षात्मक कारणों से बिजली प्रदाय बंद किया जाएगा। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि गेर मार्ग की बिजली संबंधी व्यवस्थाओं के लिए इंजीनियर्स और विभिन्न कर्मचारी तैनात रहेंगे।

इंदौर- उज्जैन ग्रीन फील्ड नॉन-एलिवेटेड मार्ग की स्वीकृति पर जिला भाजपा ने मुख्यमंत्री का किया सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर - उज्जैन ग्रीन फील्ड नॉन-एलिवेटेड मार्ग की स्वीकृति मिलने पर जिला भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। यह मार्ग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों और क्षेत्र के किसानों की मांग के चलते इस परियोजना को स्वीकृति मिली है।

जिला भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान किया और इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उनका आभार जताया।

करीब 3 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह मार्ग इंदौर और उज्जैन के बीच आवागमन को और अधिक सुगम बनाएगा। वर्तमान में लगभग सवा घंटे का समय लेने वाला यह सफर मार्ग के निर्माण के बाद करीब 30 मिनट में पूरा हो सकेगा। इससे आमजन को बड़ी सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यटन विकास को भी नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मालवीय, जिला महामंत्री अंतर दयाल, महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप चौधरी, मंडल अध्यक्ष शिवपाल सिंह चावड़ा, तूफान सिंह सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर के लिए पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के तीन विद्यार्थी चयनित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। यह शिविर 8 मार्च से 14 मार्च तक चित्रकूट में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश भर के चयनित विद्यार्थियों को नेतृत्व, सामाजिक सेवा और व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। कॉलेज के जिन विद्यार्थियों का चयन हुआ है उनमें हरिओम मालवीय, चिराग शर्मा और मंजू लोधी शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शांता चौहान, प्रो. अरुण आर्य तथा प्रो. ज्ञानेश्वर तीखे ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस संबंध में जानकारी डॉ. वंदना जोशी द्वारा दी गई।

सांवेर क्षेत्र में 1.05 करोड़ रुपये के पुल-पुलिया और सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत

मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल का जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पुल-पुलिया और सड़क निर्माण के कार्यों के लिए एक करोड रुपए से अधिक की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इन कार्यों की मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्री सिलावट की पहल पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से विभिन्न ग्राम पंचायतों में ये निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

जारी आदेशानुसार सांवेर जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत अजनोद में पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रुपये, ग्राम पंचायत कजलाना के ग्राम कटक्या में पुलिया निर्माण के लिए 15 लाख रुपये, ग्राम पंचायत चित्तोड़ा के ग्राम टूमनी में पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रुपये, ग्राम दर्जीकराडिया में पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, ग्राम कायस्थखेड़ी में पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, ग्राम कटक्या में पुलिया निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, ग्राम बघाना में सीसी रोड और नाली निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, ग्राम पंचायत लसूडिया परमार में रोड निर्माण के लिए 15 लाख रुपए तथा ग्राम तराना में पुलिया निर्माण के लिए 15 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इन विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय नागरिकों को विशेष रूप से बरसात के समय राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी।

भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर इंदौर नगरीय सीमा में सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच में उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और अन्य गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 29 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध किसी प्रकार का उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और न ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। इन्दौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण/प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो।

विश्व महिला दिवस पर रेलवे छात्रावास में स्वास्थ्य व जागरूकता कार्यशाला आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व महिला दिवस के अवसर पर रतलाम के रेलवे छात्रावास में महिलाओं के स्वास्थ्य, अधिकारों और सुरक्षित कार्यस्थल को लेकर एक उपयोगी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 60 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न विशेषज्ञों से स्वास्थ्य व जागरूकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केयर सीएचएल हॉस्पिटल की डॉ. शीतल वस्कल ने सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अलवीरा खान ने महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित विशेष व्यायाम भी सिखाए। कार्यक्रम में आहार विशेषज्ञ डॉ. भूमिका दुबे ने महिलाओं के लिए संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद उपस्थित महिलाओं ने चिकित्सकों से व्यक्तिगत प्रश्न पूछकर उपयोगी सुझाव प्राप्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अविनाश कुमार ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति और महिलाओं के अधिकारों के संबंध में जागरूकता फैलाई। वहीं सीनियर मैनेजर ऑपरेशंस मिशेल लिलियन हैरी ने सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण बनाने के उपायों पर चर्चा की। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए सामूहिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनमें नृत्य, संगीत और कविता पाठ के माध्यम से महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह कार्यशाला महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण में अंतर्राष्टीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में महिला अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना है।

महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि गत 06 मार्च को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्र में निकाली गई, जिसमें छात्राओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नारी शक्ति ङ्क देश की शक्ति जैसे जागरूकता नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। इस अवसर पर छात्राओं ने हाथों में तख्तियाँ और पोस्टर लेकर महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश भी दिया। यह रैली समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. निशा जैन, डॉ. रेणुका उपाध्यक्ष व डॉ. शीतल झा के नेतृत्व में संपन्न हुई।

07 मार्च शनिवार को कार्यक्रम के दूसरे दिन संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज और राष्ट के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत में देवताओं से ज्यादा देवियों की पूजा की जाती है। उन्होंने छात्राओं को सशक्त होने के साथङ्कसाथ अपनी प्रतिभा के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। साथ ही कार्यक्रम में राष्टीय सेवा योजना इकाई की संयोजक डॉ. शीतल ब्राह्मणे द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी द्वारा छात्राओं को सशक्त बनने हेतु प्रेरित कर वित्त प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. महिमा स्नाखले द्वारा छात्राओं को लिंग भेद एवं लिंग समानता के बारे में जानकारी प्रदान की गई । अद्वैत फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती रुमाली तिवारी ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर छात्राओं को आधुनिक युग की वास्तविकता से अवगत कराया। श्रीमती रानी सक्सेना द्वारा पॉक्सो एक्ट के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

रंगपंचमी से पहले चंदन नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 55 पेटी अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी पर्व से पहले अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर पुलिस के पुलिस थाना चंदन नगर को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 55 पेटी अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है और करीब 9 लाख 60 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार 6 और 7 मार्च 2026 की मध्य रात्रि को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सफेद रंग की ईको कार से इंदौर से धार की ओर बड़ी मात्रा में अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोका और तलाशी ली। पूछताछ में चालक ने अपना नाम पवन देवड़ा बताया।

वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस को 40 पेटी अंग्रेजी शराब और 15 पेटी बियर मिली। कुल 351.72 लीटर अंग्रेजी शराब और 180 लीटर बियर जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 60 हजार रुपये बताई गई है। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त ईको कार, जिसकी कीमत करीब 4 लाख रुपये है, उसे भी जब्त कर लिया गया। इस तरह कुल 9 लाख 60 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह आगामी रंगपंचमी के दौरान अवैध रूप से शराब की खपत के उद्देश्य से इसका परिवहन कर रहा था। आरोपी पवन देवड़ा, उम्र 28 वर्ष, मूल रूप से ग्राम नांदेड थाना माकड़ोन तहसील तराना जिला उज्जैन का निवासी है और वर्तमान में इंदौर के स्कीम नंबर 78 राजीव आवास विहार कॉलोनी विजय नगर में रह रहा था।

आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर अवैध शराब के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

मार्च की शुरुआत में ही बढ़ी गर्मी, 36 डिग्री के पार पहुंचा पारा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बीते दो दिनों से गर्मी के तेवर तेज हो गए हैं। दिन के समय तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है, हालांकि, रात का तापमान सामान्य से थोड़ा कम होने के कारण कुछ राहत मिल रही है। आमतौर पर इंदौर में मार्च के अंतिम सप्ताह तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचता है, लेकिन इस बार महीने की शुरुआत में ही पारा 36.2 डिग्री पर पहुंच गया। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक था। पिछले दो दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान करने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। अगले एक सप्ताह तक तेज धूप बनी रह सकती है, जबकि हवा की गति सामान्य रहने का अनुमान है। शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री रहा, यह गुरुवार 35.1 डिग्री सेल्सियस से 1.1 डिग्री अधिक रहा। यह सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। वहीं, बीती का तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम था। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में रात के तापमान में भी धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने लगेगी। धुलेंडी के जश्न के दौरान भी इस बार शहरवासियों को गर्मी का अहसास हुआ। वहीं, रविवार को आने वाली रंगपंचमी पर भी तेज गर्मी महसूस होने की संभावना है। हालांकि रात के समय तापमान थोड़ा कम होने से लोगों को कुछ राहत मिल रही है।

किरायेदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, यात्रियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में पुलिस को देना अनिवार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु किरायेदारों, घरेलू कामगारों, कर्मचारियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों, पेइंग गेस्ट आदि की जानकारी संबंधित थाने पर दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं।

जारी आदेश के अनुसार किरायेदारों की सूचना संबंधित मकान/दुकान मालिक द्वारा संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में दी जाना होगी। इसके पूर्व मकान/दुकान किराये से नहीं दी जाये। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना भी संबंधित मालिक द्वारा थाने पर विहित प्रारूप में देना होगी। उनसे भी आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लेना होगा। छात्रावासों में रह रहे छात्र एवं छात्राओं की सूचना विहित प्रारूप में संबंधित थाने को दी जाना होगी। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाना होगा। होटल, लॉज, धर्मशाला में रुकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेना होगा। ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची विहित प्रारूप में प्रतिदिन थाने पर देना होगी।

इसी तरह आदेश में कहा गया है कि भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों/कारीगरों की सूचना ठेकेदार द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर देने के उपरांत ही उन्हें काम पर रखा जाए। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये, इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा अतिथि पोर्टल प्रारम्भ किया गया है, इस पोर्टल पर भी रूकने वालों की जानकारी अवश्य दर्ज की जाये। पेइंग गेस्ट की सूचना संबंधित मकान मालिक द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये। इसके उपरांत ही पेइंग गेस्ट रखा जायें। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये । ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो 15 दिवस से अधिक समय तक निवास कर रहे हो, तत्काल थाने पर विहित प्रारूप में दी जाये। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। ऑनलाईन शॉपिंग/होम डिलेवरी/ कोरियर का कार्य करने वाली कंपनियों के व्यक्ति जो घर-घर जाकर पार्सल वितरित करते हैं, की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही उनसे आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त किए गए गार्ड अथवा अपने स्तर पर नियुक्त किए गए गार्ड की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। होटल, लॉज, धर्मशाला आदि में रुकने वाले व्यक्तियों एवं किराये से मकान लेने वाले व्यक्तियों के संबंध में आई.सी.जे.एस. साफ्टवेयर तथा मोबाईल फेस फोरेनसिक ऐप से जानकारी सर्च की जाये।

रंगपंचमी पर गेर और फाग यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट, कमिश्नर ने ली अधिकारियों की बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी के अवसर पर निकलने वाली गेर और फाग यात्रा को लेकर इंदौर पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को सुरक्षित माहौल में त्योहार मनाने के लिए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह बैठक पलासिया स्थित कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह सहित सभी डीसीपी, एडीशनल डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि 8 मार्च को इंदौर में पारंपरिक रूप से मनाई जाने वाली रंगपंचमी के दौरान शहर में गेर और विभिन्न चल समारोह निकलेंगे। इसे देखते हुए पूरे शहर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। गेर और फाग यात्रा के मार्ग को छह सेक्टरों में विभाजित कर वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही 12 पुलिस सहायता मंच और 11 वॉच टावर बनाए गए हैं, जहां से पीए सिस्टम, दूरबीन और कैमरों की मदद से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

पुलिस द्वारा पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन का जाल बिछाया गया है, जिनकी निगरानी केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से की जाएगी। हाई रिजोल्यूशन कैमरों के माध्यम से गेर में शामिल हर व्यक्ति और गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बलवा ड्रिल की सामग्री और विशेष पुलिस दल भी तैयार रखे गए हैं।

रंगपंचमी के दौरान शहर में 2500 से अधिक पुलिस बल तैनात रहेगा। गड़बड़ी फैलाने वाले गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों के लिए अस्थायी जेल और जेल वाहन भी तैयार रखे गए हैं। पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिस के विशेष दस्ते भी तैनात किए हैं, जो छेड़छाड़ या जबरन रंग लगाने जैसी घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखेंगे।

पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए डायवर्जन और पार्किंग प्लान का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही गेर में शामिल वाहनों की फिटनेस जांच, ड्राइवर के लाइसेंस की जांच और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेशों और अफवाहों पर भी पुलिस लगातार नजर रखेगी।

बैठक के बाद पुलिस कमिश्नर सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने गेर और चल समारोह के मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और तैनात पुलिस बल को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

रंग दे बैकलेन कार्यक्रम से स्वच्छता और जनसहभागिता का अनूठा संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में स्वच्छता को लेकर लगातार नए नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इंदौर नगर निगम द्वारा शहर की बैकलेन को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श बनाए रखने के उद्देश्य से रंग दे बैकलेन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नागरिकों और रहवासी संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसके माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में शहर के विभिन्न जोन क्षेत्रों में सुबह 8 बजे से जनसहयोग से विकसित की गई 21 बैकलेन में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में योग, खेल गतिविधियां, वॉल पेंटिंग, रंगोली और स्वच्छता से जुड़े विभिन्न आयोजन किए गए, जिनके माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में जोन क्रमांक 21 के वार्ड क्रमांक 80 स्थित धनवंतरी नगर बैकलेन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां महापौर पुष्यमित्र भार्गव और क्षेत्रीय पार्षद प्रशांत बडवे की उपस्थिति में योग अभ्यास, क्रिकेट मैच और दीवारों पर स्वच्छता संदेश लिखने जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। महापौर ने स्वयं नागरिकों के साथ योग किया और क्रिकेट खेलकर कार्यक्रम में उत्साह बढ़ाया।

इस अवसर पर नागरिकों को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि जिस बैकलेन में पहले गंदगी और कचरे की शिकायतें मिलती थीं, आज उसी स्थान पर योग और सामाजिक गतिविधियां आयोजित हो रही हैं। यह इंदौर के जागरूक नागरिकों और रहवासियों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नगर निगम हर वर्ष लगभग 50 नई बैकलेन का सौंदर्यीकरण कर रहा है, जिससे ये स्थान नागरिकों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और उपयोगी बन सकें।

कार्यक्रम में अपर आयुक्त प्रखर सिंह, श्रृंगार श्रीवास्तव, एनजीओ संस्था टीम बेसिक्स के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी उपस्थित रहे। शहर के अलग-अलग जोन में आयोजित कार्यक्रमों में पार्षद, रहवासी संगठन, स्कूली बच्चे और स्वयंसेवी संस्थाएं भी शामिल हुईं और बैकलेन को स्वच्छ, सुंदर और जीवंत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अवैध मत्स्याखेट जारी, शिकायतों के बावजूद मछली चोरों के हौसले बुलंद

विवाद बढ़ने से बड़ी घटना की आशंका, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के काका गाडगिल सागर डेम में अवैध रूप से मछली पकड़ने का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। मत्स्य सहकारी समिति के पास वैध लीज होने के बावजूद कुछ लोगों द्वारा खुलेआम अवैध मत्स्याखेट किया जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से मछली चोरों के हौसले बुलंद हैं। वहीं लगातार हो रहे विवादों को देखते हुए मत्स्य समिति के सदस्यों व चौकीदारों ने किसी बड़ी अनहोनी की आशंका भी जताई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक संचालक मत्स्योद्योग विभाग द्वारा मल्हारगढ़ व पिपलियामंडी थाना प्रभारी को पत्र भेजकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा मत्स्य ठेकेदार ने भी संबंधित थाना प्रभारी को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अवैध मत्स्याखेट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार काका गाडगिल डेम की मत्स्योद्योग सहकारी समिति के माध्यम से डेम का मत्स्याखेट लीज पर दिया गया है। समिति की ओर से मंदसौर निवासी सुरेश पिता प्रेम बातम तथा युसूफ खां पिता सलीम खां निवासी कनघट्टी डेम पर चौकीदारी का कार्य कर रहे हैं। दोनों ने पिपलियामंडी, मल्हारगढ़ थाने सहित जिला पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि डेम का लीज पट्टा समिति के पास होने के बावजूद आसपास के कुछ गांवों के लोग अवैध तरीके से डेम में जाल डालकर मछली पकड़ रहे हैं। चौकीदारों ने बताया कि जब वे अवैध रूप से लगाए गए जाल हटाने या उन्हें रोकने का प्रयास करते हैं तो संबंधित लोग उनके साथ गाली-गलौज करते हैं, पत्थरबाजी करते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। इससे डेम पर चौकीदारी करने वाले कर्मचारियों में भय का माहौल बना हुआ है। मत्स्य ठेकेदार सुरेश ने बताया कि इस अवैध मत्स्याखेट में लीलाबाई, राधेश्याम, रामेश्वर, राजू बावरी सहित अन्य लोग शामिल हैं। ये लोग कई बार समिति के सदस्यों व चौकीदारों के साथ विवाद कर चुके हैं और उन्हें धमकियां भी दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि मछली चोरी की घटनाओं को लेकर पिपलियामंडी, मल्हारगढ़ और जीरन थाने में कई बार शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि करीब तीन माह पूर्व जीरन थाने में चौकीदार अर्जुन पिता रामचन्द्रनाथ निवासी अमरपुरा थाना मल्हारगढ़ की रिपोर्ट पर जोगणी निवासी लीलाबाई बावरी, रामेश्वर बावरी, जसवंत पिता रामेश्वर बावरी, कनघट्टी निवासी भेरू पिता अम्बालाल बावरी तथा भैंसाखेड़ा निवासी पप्पू बावरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। इसके बावजूद अवैध रूप से मछली पकड़ने का सिलसिला जारी है। समिति के सदस्यों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो कभी भी बड़ा विवाद या अप्रिय घटना हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि डेम क्षेत्र में अवैध मत्स्याखेट पर रोक लगाने के लिए नियमित गश्त और कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि समिति के अधिकारों की रक्षा हो सके और क्षेत्र में शांति बनी रहे।

जांच के बाद की जाएगी कार्रवाई- इस संबंध में पिपलियामंडी थाना प्रभारी विक्रमसिंह इवने का कहना है कि मामले में आवेदन प्राप्त हुआ है और पुलिस द्वारा इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं मल्हारगढ़ थाना प्रभारी से संपर्क नहीं हो पाया।

शत्रुंजय महातीर्थ पालिताना की छः गाऊ यात्रा संपन्न, 55 यात्रियों ने लिया धर्मलाभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अ. भा. श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद एवं पारिवारिक ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा का अत्यंत भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। इस पावन यात्रा का शुभारंभ शुक्रवार, 27 फरवरी को स्थानीय नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर से हुआ, जहां शाश्वत शत्रुंजय महातीर्थ पालिताना में छः गाऊ की यात्रा हेतु मंदसौर शाखा के 55 भाग्यशाली यात्रियों के संघ को परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रेयांश हिंगड़ सहित प्रदीप हिंगड़, धवल चपरोत और महावीर मारू ने जैन ध्वज दिखाकर मंगल रवानगी दी।

इस महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन के विषय में जानकारी देते हुए राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद के अध्यक्ष अजय कुमार फाफरिया ने बताया कि पालिताना जैन समाज का एक शाश्वत महातीर्थ है, जहाँ फागण सुदी तेरस की छः गाऊ की यात्रा की परंपरा विगत 84 हजार वर्षों से निरंतर चली आ रही है। आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन तिथि पर शत्रुंजय गिरिराज के भांडवा डूंगर से मुनि शाम्ब और प्रद्युम्न कुमार ने 8.5 करोड़ मुनि भगवंतों के साथ मोक्ष प्राप्त किया था। इसी महान मोक्ष यात्रा की स्मृति में प्रतिवर्ष फागण सुदी तेरस को इस कठिन किंतु फलदायी यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसमें यात्री अपने कर्मों की निर्जरा के भाव के साथ सम्मिलित होते हैं। तीन दिवसीय इस प्रवास के दौरान परिषद के महामंत्री कमलेश सालेचा, सह-कोषाध्यक्ष जयेश डांगी और अपूर्व डोसी ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। यात्रा में तरुण परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश बाफना, आदिश पोरवाल, सचिन ओस्तवाल, शिखर कर्णावट, संदीप डांगी, प्रतीक पोखरना, विमल खाबिया, अनिल बाफना, वीरेंद्र चंडावला, कुलदीप मारवाड़ी, यश मेहता, शैलेंद्र धारीवाल, मिथलेश भंडारी, विनीत जैन, दीप बाफना, दर्शन ओस्तवाल और आशीष जैन जैसे उत्साही सदस्यों ने सहभागिता की। वहीं महिला शक्ति के रूप में प्रियंका सालेचा, आराधना डांगी, प्रतिभा मारू, रुचि ओस्तवाल और स्वाति डांगी सहित कई यात्रियों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ गिरिराज की वंदना की। यात्रा की पूर्णता पर नवयुवक परिषद, तरुण परिषद तथा वीरेंद्र डोसी एवं अशोक बाफना परिवार की ओर से सभी यात्रियों की भक्तिभाव से संघ पूजा की गई।

गणेश मंदिर में चोरी के आरोपी को पकड़ा, गोरधननाथ व सांई मंदिर में चोरी कबूली

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस को सहकारी बैंक के पास स्थित गणेश मंदिर में दानराशि चोरी करने वाले एक बदमाश को पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर दोनों दानपेटी व राशि बरामद की है। साथ ही पूछताछ में उसने बीते दिनों गोरधननाथ मंदिर में चोरी करना भी कबूला है। कुछ वर्ष पूर्व दशरथ नगर स्थित सांई मंदिर में भी चोरी आरोपी ने की थी। आरोपी पूर्व में बलात्कार व आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस के अनुसार चोरी के बाद विशेष टीम गठित कर सीसीटीवी केमरे खंगाले गए। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। मुखबीर तंत्र सक्रिय किया गया। मुखबरी सूचना पर संदिग्ध व्यक्ति नवीन पिता प्रदीप शर्मा 34 वर्ष निवासी भानपुरा हाल मुकाम श्रीकोल्ड के पास को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने 21 जनवरी को जीवागंज स्थित गोरधनाथ मंदिर में चोरी की घटना और जिला सहकारी बैंक नई आबादी के समीप गणेश मंदिर में चोरी की वारदात करना कबूल किया। आरोपी के कब्जे से दोनों मंदिर में चोरी गया मशरूका बरामद किया गया है। जगदीश मंदिर में भगवान के चांदी के आभूषण, मुकुट, मोरपंख, बांसूरी व गदा आदि चोरी हुए थे। गणेश मंदिर में आरोपी मंदिर का ताला तोड़कर अंदर रखी दो दानपेटियां उठाकर ले गया था, जो निशानदेही पर बरामद की गई। आरोपी ने चुराई सामग्री को संजय गांधी उद्यान के समीप छिपाकर रखी थी। आरोपी नवीन शर्मा दशरथ नगर में सांई मंदिर में भी दानपेटी से राशि चोरी कर चुका है। साथ ही उस पर एससी, एसटी एवं दुष्कर्म तथा आर्म्स एक्ट में भी प्रकरण दर्ज हो चुका है। इस कार्रवाई में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ एवं चीता मोबाईल आरक्षक विशाल लबाना तथा समरथ चौहान सहित अन्य पुलिस कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नीमच में कार्यक्रम आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास परियोजना, नीमच ग्रामीण द्वारा शनिवार को जनपद पंचायत नीमच के सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में परियोजना अधिकारी श्री इरफान अंसारी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व एवं आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा मदनलाल धनगर ने कहा, कि महिलाएं समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि वे समाज के विकास एवं कल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ने कहा, कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा, कि महिलाओं को अधिकार दिलाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी द्वारा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैं। उन्होंने परिवार में बच्चों को संस्कार एवं अनुशासन सिखाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्रीमती ममता नागदा ने महिलाओं से अपनी शक्ति पहचानने का आव्हान किया।

इस अवसर पर जनपद महिला एवं बाल विकास समिति के सभापति श्री रतनलाल मलावत ने कहा, कि प्रत्येक महिला को सुरक्षा, सम्मान का अधिकार प्राप्त हैं।

कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्री इरफान अंसारी ने अपने उद्बोधन में कहा, कि शासन द्वारा महिलाओं के उत्थान, लिंग भेद समाप्त करने तथा लिंगानुपात में सुधार लाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा लाड़ली बहना योजना प्रमुख हैं।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं किया हैं। सुश्री हंसा माली, कैलाश अहिरवार, अंजू, देवकन्या मेघवाल, शोभा व्यास, पुष्पा अग्रवाल, सपना कसेरा, ज्योति शर्मा, पूजा मेघवाल, जसोदा बाई आदि कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गीत, कविताएं एवं प्रेरक संदेश प्रस्तुत किए। साथ ही देश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ियों के प्रेरक प्रसंग भी साझा किए । कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक श्रीमती पिंकी भाटिया ने किया। अन्य वक्ताओं ने भी महिला सशक्तिकरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

नीमच-बांसवाड़ा नई रेल लाइन को मिली मंजूरी, 380 के एम परियोजना का होगा फाइनल सर्वे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेल मंत्रालय ने आदिवासी बहुल क्षेत्रो के आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में अहम कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 380 किलोमीटर लंबी नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद - नंदुरबार नई लाइन की फाइनल सर्वेक्षण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की स्वीकृति दे दी है। रेल मंत्री ने कहा- आदिवासी बहुल बांसवाड़ा की स्वाभाविक कनेक्टिविटी दाहोद के साथ है। इसलिए डूंगरपुर-बांसवाड़ा-रतलाम प्रोजेक्ट के साथ नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद रेल लाइन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है

इस लाइन से दिल्ली से मुंबई जाने वाली रेल के लिए आदिवासी बहुल बांसवाड़ा से होकर एक नया रूट मिलेगा । यह रूट ताप्ती सेक्शन से मुंबई-दिल्ली मुख्य रूट को दाहोद से जोड़ने वाला सबसे छोटा रूट होगा। इससे मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात के छह शहरों को लाभ होगा। शहादा शहर को भी सर्वेक्षण के लिए इस मार्ग में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि इस शहर की आबादी 50 हजार से अधिक है।

बांसवाड़ा जिला पहाड़ी क्षेत्र और खनिज संपदा से समृद्ध है, लेकिन अभी भारतीय रेल से जुड़ा नहीं है। इस क्षेत्र में मैंगनीज अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, सोना, तांबा, क्वार्ट्ज जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए क्षेत्र से माल ढुलाई की भी प्रबल संभावना है, जिसका नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद के छोटे मार्ग से परिवहन किया जा सकेगा। दाहोद-अलीराजपुर-नंदु रबार एक पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्र में स्थित है।

यह ताप्ती रेल खंड से दाहोद में उच्च घनत्व नेटवर्क यानी मुंबई-नई दिल्ली मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला छोटा मार्ग होगा। राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। दो रेल लाइन की कनेक्टिविटी बांसवाड़ा स्टेशन पर होने से यहां जंक्शन बनेगा।

दलौदा पुलिस ने बालिका दस्तियाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराधों में सक्रिय बरत रही है। इसी कड़ी में एक नाबालिग लड़की के अपहृत की सूचना पर छानबीन की गई। प्रकरण दर्ज करने के बाद विशेष टीम का गठन कर सीसीटवी फुटेज एवं वैज्ञानिक अनुसंधार के आधार पर जांच की गई, जिसमें आरोपी दीपक पिता गोपाल सूर्यवंशी 23 वर्ष निम्बाखेड़ी को गिरफ्तार किया गया व नाबालिग बालिका को दस्तियाब किया गया। इस कार्य में थाना प्रभारी शुभम व्यास एवं टीम का योगदान रहा है।

इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का विरोध, इंजीनियरों की बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले के सभी सहायक यंत्री और कनिष्ठ यंत्री संघ की बैठक 7 मार्च को आयोजित की गई। जिसमे संघ के महासचिव श्री जी के वैष्णव द्वारा दिये गए निर्देश अनुसार दिनांक 10 मार्च मंगलवार को संसद में इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2025 एक तरफा रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है जिसका पुरजोर तरीके से विरोध करने हेतु तय किया गया है। 10 मार्च को अपने अपने संभागीय और वृत्त स्तर पर कार्यालय में एकत्रित होकर दिन भर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। क्योंकि इस बिल के पारित हो जाने पर निजी कंपनियों द्वारा बिजली क्षेत्र में प्रवेश कर केवल धन कमाने हेतु बड़े बिजली उपभोक्ताओं, फेक्ट्रियों/माल्स, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों/शहरों को हमारे ही इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग कर बिजली बेची जाएगी तथा गरीब उपभोक्ताओं/किसानों/ग्रामीणों को महंगी बिजली मिलेगी। क्रास सब्सिडी खत्म हो जाएगी तथा कर्मचारियों की स्थाई नौकरियां समाप्त हो जाएगी। साथ ही सांसद को ज्ञापन देकर उनसे संसद में इस बिल को पारित नहीं होने देने का अनुरोध किया जायेगा। उक्त बैठक में संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष राकेश उपमन्यु, मंदसौर वृत्त के अध्यक्ष रोबिन साहू, सचिव सुनील कुमार सिंह और सदस्य उपस्थित रहे।

कृति उत्सव' में आज होगी भरतनाट्यम की सुरम्य प्रस्तुति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक ,सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था कृति द्वारा आयोजित कृति नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन रविवार, 8 मार्च को टाउन हॉल में शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति देखने को मिलेगी। कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से आयोजित होगा। कृति के अध्यक्ष डॉ अक्षय राजपुरोहित सचिव कमलेश कुमार जायसवाल एवं प्रचार सचिव कृष्ण शर्मा ने बताया कि कृति उत्सव के दूसरे दिन भोपाल की प्रसिद्ध 'कलांजलि ग्रुप' द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम की आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। कलाकार अपनी भाव-भंगिमाओं, लय और ताल के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपरा की सुंदर अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दिलीप सिंह परिहार उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथियों में वंदना खंडेलवाल (भाजपा जिलाध्यक्ष), राकेश भारद्वाज (अध्यक्ष व्यापारी संघ), अनिल चौरसिया (पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस), सत्यनारायण गोयल (समाजसेवी), दिलीप शर्मा (अध्यक्ष सकल ब्राह्मण कल्याण समिति), दीपक गहलोत (पूर्व अध्यक्ष सेन समाज), रेणुका व्यास (साहित्यकार), पारस जैन (नगर अध्यक्ष आरोग्य भारती) एवं पारस नागोरी (समाजसेवी) शामिल रहेंगे। कृति परिवार ने शहर के सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेने का आग्रह किया है।

एनडीपीएस की धारा 8/29 के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग, पूर्व विधायक सिसौदिया ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

तोड़ बट्टे, लेन-देन करने की घटनाएं प्रकाश में आती है और बन जाती है चर्चा का विषय

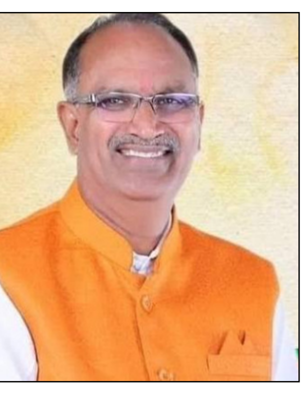

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक्ट में संशोधन एवं उस पर पुनर्विचार किए जाने तथा अफीम उत्पादक जिलों मंदसौर और नीमच में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 के कथित दुरुपयोग को लेकर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। पत्र में इस कानून में संशोधन तथा पुनर्विचार की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान के दुरुपयोग के कारण कई निर्दोष लोगों को झूठे प्रकरणों में फंसाए जाने और उनसे आर्थिक लेन-देन करने जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं।

अफीम उत्पादक जिला मंदसौर एवं नीमच में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 का दुरुपयोग से निरपराध और निर्दोष लोगों को झूठे प्रकरण बनाकर बड़े तोड़ बट्टे लेन-देन करने की घटनाएं समय समय पर प्रकाश में आती है और चर्चा का विषय भी बन बनता हैं। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा एनडीपीएस एक्ट बनाया गया है, तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर इस एक्ट के अंतर्गत नारकोटिक्स विभाग भारत सरकार तथा राज्यों के पुलिस प्रशासन विभाग को अधिकार दिए गए हैं, निश्चित ही कानून का भय और कानून का डंडा तस्करों पर और अपराधियों पर चलना ही चाहिए, युवा पीढ़ी को नशे का आदि बना कर (ड्रग एडिक्ट) पीढ़ी को बर्बाद करने वाले तस्करों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होना चाहिए, भारत का कानून भी यह कहता है कि दोषी को सजा मिले निर्दोष को नहीं, लेकिन इस एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत पूछताछ के नाम पर पकड़ाए गए तस्कर के द्वारा कथित रूप से एक से अधिक नाम लेने वालों को शारीरिक मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जाता है, तोड़ बट्टे लेन-देन के नाम पर मोटी रकम वसूलना, नहीं दिए जाने पर झूठा प्रकरण बनाने की अनेक शिकायतें आती हैं।

कोटा, झालावाड़, निंबाहेड़ा तथा चित्तौड़गढ़ जिले में भी होती है अफ़ीम की खेती- वर्ष 2023 - 24 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के दलौदा में जनसभा में जन समूह की मांग पर इस एक्ट में पुनर्विचार करने की बात सार्वजनिक रूप से मंच से कहीं गई थी। इस एक्ट के दुरुपयोग पर चिंता और चर्चा राजस्थान की विधानसभा सभा में निंबाहेड़ा के भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी द्वारा मार्च 2026 के सत्र के दौरान सदन में उठाया गया है, मध्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिले के साथ - साथ राजस्थान के कोटा, झालावाड़, निंबाहेड़ा तथा चित्तौड़गढ़ जिले में भी अफ़ीम की खेती होती है और उस क्षेत्र में भी इस एक्ट का दुरुपयोग होता है, अतः वहां भी यह मामला उठ रहा है कि इस एक्ट के पुनर्विचार एवं संशोधन की आवश्यकता है।

पूर्व विधायक सिसोदिया ने पत्र में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 के दुरुपयोग पर रोक लगाई जाने तथा निर्दोषों पर कार्यवाही ना हो इसको लेकर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय को आप पत्राचार कर या प्रत्यक्ष में भेंट कर अनुरोध करने की कृपा करें।

राजस्थान की विधानसभा में गरजे निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, उठाया एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 का मुद्दा, अवैध वसूली को रोकने और अफीम किसानों को राहत देने की मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पड़ोसी राज्य राजस्थान के निंबाहेड़ा विधानसभा में एक बार फिर अफीम कास्तकारों से जुड़ा बड़ा मुद्दा उठाया गया। निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद ने सदन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 में संशोधन की मांग करते हुए कहा कि यह धारा कई बार किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

विधायक ने कहा कि कई मामलों में तस्करी के आरोप में पकड़ा गया व्यक्ति कई अन्य लोगों के नाम ले लेता है, जिनका मामले से कोई संबंध नहीं होता। इसके बाद उन लोगों को भी मामले में फंसा दिया जाता है और उनसे वसूली की शिकायतें सामने आती रहती हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि केंद्र सरकार से समन्वय कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 में आवश्यक संशोधन कराया जाए, ताकि निर्दोष लोगों और अफीम किसानों को राहत मिल सके। विधायक ने कहा कि इस मुद्दे से प्रदेश के लाखों किसानों पर असर पड़ता है, इसलिए किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कानून में बदलाव जरूरी है। सदन में यह मुद्दा उठने के बाद अफीम कास्तकारों की समस्याओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है और किसानों को राहत देने की मांग सामने आई है।

संघर्ष से आसमान तक रतनगढ़ की कृष्णा ने डिजिटल शिक्षा से रचा इतिहास पिता को दिलाई हवाई उड़ान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला दिवस के अवसर पर रतनगढ़ निवासी कृष्णा महेश्वरी की प्रेरक सफलता गाथा क्षेत्र में गर्व का विषय बनी हुई है। सीमित संसाधनों में पली-बढ़ी इस बेटी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संघर्ष सच्चा हो और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो ऊपरवाला भी साथ देता है और सपने साकार होते हैं। कृष्णा महेश्वरी मूलतः रतनगढ़ निवासी हैं। उनके पिताजी श्री कैलाश महेश्वरी की रतनगढ़ से लगभग 4 किलोमीटर दूर देहपुर गांव में आज भी एक छोटी किराने की दुकान संचालित है। माता गृहिणी हैं। तीन बहनों और एक भाई के साथ साधारण परिवार में पली-बढ़ी कृष्णा ने बचपन से ही परिवार की आर्थिक चुनौतियों को देखा और समझा। उच्च शिक्षा के लिए स्क्र करने वे नीमच गईं। रतनगढ़ से नीमच की दूरी लगभग 55 किलोमीटर होने के कारण रोज आना-जाना संभव नहीं था। ऐसे में उन्होंने पढ़ाई के साथ नौकरी कर अपने कमरे का किराया और अन्य खर्च स्वयं उठाए। यही आत्मसम्मान और स्वावलंबन उनके जीवन की नींव बना।

मध्यप्रदेश सरकार की हवाई सेवाओ और एयर पोर्ट बनाने की योजना और नीमच की हवाई पट्टी

डाक्टर सम्पत स्वरूप जाजू , पूर्व विधायक नीमच

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा नीमच के पूर्व विधायक डाक्टर सम्पत स्वरूप जाजू ने एक बयान में नीमच की हवाई पट्टी के उन्नयन के साथ हवाई सेवाओ से जोड़ने की मांग रखी है! डाक्टर जाजू कहा की मध्यप्रदेश सरकार कई वर्षों से हवाई सेवाओ का मध्यप्रदेश में विस्तार करने और हवाई पट्टियों का उन्नयन कर एयर पोर्ट बनाने की घोषणा और योजना बना रही है प्रदेश के कई छोटे शहरों में इसके तहत एयर पोर्ट विकसित होकर हवाई सेवा से जुड़े भी !

डाक्टर जाजू ने बताया कि नीमच जो पश्चिमी मध्यप्रदेश का अंतिम जिला है का जहाँ मालवा अंचल की सबसे पुरानी लगभग 125 वर्षों पूर्व की बनी हवाई पट्टी है का दुर्भाग्य है कि जिम्मेदार लोगो की निष्क्रियता और उदासीनता के कारण नीमच की हवाई पट्टी छोटे एयर पोर्ट में परिवर्तित नहीं हो पाई! नीमच से देश के विभिन्न नगरों के लिए हवाई सेवा का उपयोग उदयपुर , अहमदाबाद ,इंदौर से किया जा रहा है ! प्रति दिन यहाँ से कई लोगो उपरोक्त स्थानों से हवाई सेवा का उपयोग कर रहे है!

केंद्र सरकार ने उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों को हवाई सेवा से जोड़ने की योजना वर्षों पूर्व से शुरू कर दी है लेकिन हमारे तथाकथित नीमच की हवाई पट्टी के विकास के दावे करने वाले जिम्मेदार लोगो को नीमच की हवाई पट्टी के उन्नयन करने पर कोई ध्यान नहीं है!

डाक्टर जाजू ने उम्मीद की है कि अब तो क्षेत्र के जिम्मेदार लोग कुंभकर्णी निद्रा से जागृत होकर केंद्र और प्रदेश सरकार की हवाई सेवाओ का लाभ नीमच को मिले का प्रयास करेंगे

सम्पादकीय

सफलता-असफलता जीवन के दो अनिवार्य पहलू

मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा द्यइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगीद्य

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे द्य निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती हैद्य

जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंद्य संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है।

अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए।

सहजयोग व्यक्ति को अष्टलक्ष्मी के आशीर्वाद प्राप्त करने का योग्य पात्र बनाता है

जैसे - जैसे मानव सभ्यता का विकास हुआ, मानव बुद्धि का विकास हुआ, बुद्धि के विकास से मनुष्य ने अनेक संसाधनों का निर्माण किया जो प्रारंभ में कार्य की सुगमता के लिए थे परंतु कालांतर में प्रतिष्ठा का पर्याय बन गए। साधनों व वस्तुओं की बहुतायत ने मनुष्य में उन्हें पाने की लालसा को जन्म दिया और यही लालसा वर्तमान में व्याप्त असंतुष्टि का कारण है। शास्त्रों में इस संसार को भवसागर कहा गया है इसको पार करने का अर्थ होता है परमात्मा से एकाकार होना। वास्तव में यह भवसागर बाहर नहीं बल्कि हमारे भीतर ही स्थित होता है। सूक्ष्म शरीर में नाभि चक्र के चहुं ओर भवसागर विद्यमान होता है। नाभि चक्र श्री लक्ष्मी नारायण का स्थान है। इस चक्र से श्री अष्टलक्ष्मी अपने प्रभाव का प्रसारण करती हैं अष्टलक्ष्मी अर्थात् समृद्धि, प्रतिष्ठा, सफलता, कल्याण, धन, पारिवारिक प्रसन्नता, सामूहिकता, आध्यात्मिक उन्नति व शुद्ध विद्या आदि के आशीर्वाद का प्राप्त होना। परंतु इन आशीर्वादों की प्राप्ति के लिए हमें नाभि चक्र के संतुलन की आवश्यकता होती है। इसके लिए सर्वप्रथम हमारे भीतर संतुष्टि, धैर्य, शांति, देने का भाव विकसित होना आवश्यक है क्योंकि यही श्री लक्ष्मी जी के मूलभूत गुण हैं। धन भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक है परन्तु धन की लिप्सा व कृपणता हमारे नाभि चक्र को, जो कि यकृत (लिवर) व पेट के अन्य हिस्सों से संबंधित है असंतुलित कर देती है। यह असंतुलन अनेक रोगों को जन्म देता है साथ ही साथ धन प्राप्त होने के पश्चात भी सौभाग्य की प्राप्ति नहीं हो पाती। स्थूल रूप में भी पेट का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसका सीधा संबंध भोजन से होता है जो हमें ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करता है। भोजन सादा, पौष्टिक ऋतुचर्या के अनुसार होना चाहिए। भोजन के विषय में इच्छा या अनिच्छा से अधिक प्रेम की अनुभूति होनी चाहिए। बहुत अधिक चिंतित अवस्था में, जल्दबाजी में भोजन नहीं किया जाना चाहिए इससे पाचन क्रिया पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। शांतिपूर्ण व आनंदपूर्वक तरीके से भोजन ग्रहण करना एक कला है जो अनेक समस्यायों का स्वयं ही निराकरण होती है। इसके अतिरिक्त भोजन के स्रोत अर्थात् भोजन को तैयार करने वाला व्यक्ति व उसके भाव भी महत्वपूर्ण होते हैं। हमारे यहां तो कहावत भी है कि, %जैसा खाए अन्न वैसा बने मन। स्वस्थ व संतुलित नाभि चक्र ही हमें भवसागर के पार पहुंचा सकता है।

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित प्रमाणिक, वैज्ञानिक व सनातन सिद्धांतों पर आधारित ध्यान पद्धति है जो पूर्णतया प्रकृति के नियमों के अनुसार कार्य करती है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण के पश्चात् सूक्ष्म शरीर के संतुलन व आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है जो हमें जीवन के प्रत्येक आयाम, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक का आनंद प्रदान करता है।

आधी आबादी की ऊर्जा, जो पूरे भविष्य को दिशा देती है

कभी-कभी इतिहास के सबसे गहरे प्रश्न एक साधारण-से वाक्य में सिमट जाते हैं। ÷देना है, तो पाना है÷ ऐसा ही वाक्य है–सुनने में सरल, पर समाज के भविष्य की गहन सच्चाई को उजागर करने वाला। हम प्रायः भूल जाते हैं कि सभ्यता केवल इमारतों, मशीनों और नीतियों से नहीं बनती, बल्कि उन हाथों से आकार लेती है जो जीवन को जन्म देते हैं, उसे सँभालते हैं और उसे दिशा देते हैं। ये हाथ नारी के हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया की सबसे बड़ी विडंबना यह रही है कि जिसने मानवता को जन्म दिया, उसे ही समानता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2026 की थीम देना है, तो पाना है इसी विडंबना को चुनौती देती है और स्पष्ट करती है कि यदि समाज सच में प्रगति चाहता है, तो उसे नारी को अवसर देना ही होगा, क्योंकि यही वह बीज है जिससे विकास का वृक्ष फलता-फूलता है। इतिहास की परतें खोलें तो एक अत्यंत रोचक सत्य उजागर होता है। मानव सभ्यता की पहली शिक्षक, पहली चिकित्सक और पहली प्रबंधक कोई और नहीं, बल्कि महिला ही थी। प्राचीन समाजों में बच्चों को जीवन के मूल संस्कार माँ से मिलते थे, औषधियों का ज्ञान भी प्रायः महिलाओं के पास होता था, और घर-परिवार के संसाधनों का प्रबंधन भी वही करती थीं। यानी सभ्यता की बुनियादी व्यवस्थाएँ उसी के हाथों में थीं। लेकिन समय के साथ सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ बढ़ी और महिलाओं को धीरे-धीरे निर्णयों से दूर कर दिया गया। यह केवल सामाजिक अन्याय नहीं, बल्कि मानव विकास की बड़ी चूक भी थी। क्योंकि जब आधी आबादी की प्रतिभा सीमित कर दी जाती है, तो समाज की रचनात्मक ऊर्जा भी आधी रह जाती है। इसलिए आज महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि सभ्यता की पूरी क्षमता को विकसित करने का प्रश्न है।

देना है, तो पाना है का अर्थ केवल इतना नहीं कि महिलाओं को अवसर दें और बदले में विकास पाएँ। इसका एक और गहरा पहलू है, जो अक्सर चर्चा में नहीं आता। जब किसी समाज में महिलाओं को सम्मान मिलता है, तो वहाँ संवेदनशीलता और संतुलन भी बढ़ता है। शोध बताते हैं कि जहाँ महिलाओं की भागीदारी निर्णयों में अधिक होती है, वहाँ नीतियाँ अधिक मानवीय और दीर्घकालिक होती हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी गाँव की पंचायत में महिलाएँ सक्रिय होती हैं, तो वहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यानी नारी केवल अपने लिए नहीं सोचती, वह समाज की व्यापक भलाई के बारे में भी सोचती है। इसलिए नारी को अवसर देना केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि सामूहिक समृद्धि की दिशा में उठाया गया कदम है।

जब समाज अपनी संभावनाओं को पहचानता है, तब नारी की शक्ति स्पष्ट रूप में सामने आती है। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, और उनकी उपलब्धियों के पीछे केवल व्यक्तिगत प्रतिभा नहीं, बल्कि सामाजिक सहयोग भी होता है। जब कोई लड़की वैज्ञानिक बनती है, तो उसके पीछे परिवार का विश्वास होता है। जब कोई महिला उद्यमी बनती है, तो उसके पीछे समाज का समर्थन होता है। यही देना है, तो पाना है का अर्थ है। समाज जब महिलाओं को शिक्षा, संसाधन और स्वतंत्रता देता है, तो वे उसे कई गुना लौटाती हैं। एक शिक्षित महिला केवल अपना जीवन नहीं बदलती, बल्कि पूरे परिवार के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाती है। इसलिए कई अर्थशास्त्री मानते हैं कि किसी भी देश के विकास के लिए महिलाओं की शिक्षा में निवेश सबसे प्रभावी होता है। फिर भी यह सच है कि दुनिया अभी पूरी तरह समानता तक नहीं पहुँची है। आज भी अनेक महिलाएँ ऐसी परिस्थितियों में जी रही हैं जहाँ उनके सपनों को सीमित कर दिया जाता है। कई जगहों पर लड़कियों की पढ़ाई जल्दी छूट जाती है, कई कार्यस्थलों पर उन्हें बराबरी का वेतन नहीं मिलता और कई समाजों में उनके निर्णयों को महत्व नहीं दिया जाता। लेकिन आज का दौर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत भी दे रहा है। महिलाएँ अब अपनी पहचान को लेकर अधिक सजग हैं और वे अपने अधिकारों के लिए खुलकर आवाज उठा रही हैं। डिजिटल तकनीक और शिक्षा ने उन्हें एक ऐसा मंच दिया है जहाँ उनकी बात दुनिया तक पहुँच सकती है। यह बदलाव धीरे-धीरे एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दे रहा है, जिसमें समानता केवल आदर्श नहीं, बल्कि आवश्यकता बनती जा रही है।

वास्तविक परिवर्तन तभी जन्म लेता है, जब विचार जीवन के व्यवहार में उतरता है। सबसे पहली शुरुआत परिवार से हो सकती है। जब घर में बेटियों और बेटों को समान अवसर मिलते हैं, तभी समाज में समानता की नींव मजबूत होती है। शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में संवेदनशील बनाना होगा, ताकि लड़कियाँ केवल पढ़ाई ही न करें, बल्कि नेतृत्व और नवाचार के लिए भी प्रेरित हों। कार्यस्थलों को ऐसा वातावरण देना होगा जहाँ महिलाएँ सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। राजनीति और प्रशासन में उनकी भागीदारी बढ़ाना भी आवश्यक है, क्योंकि निर्णय लेने वाली मेज पर उनकी उपस्थिति समाज के दृष्टिकोण को संतुलित बनाती है।

समय हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन केवल शब्दों से नहीं, जिम्मेदारियों से जन्म लेता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि एक जिम्मेदारी भी सौंपता है। यह जिम्मेदारी है एक ऐसे समाज के निर्माण की, जहाँ नारी को अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़े। देना है, तो पाना है का संदेश हमें याद दिलाता है कि जब हम महिलाओं को अवसर, सम्मान और विश्वास देते हैं, तो हम वास्तव में अपने ही भविष्य को मजबूत बना रहे होते हैं। क्योंकि नारी केवल जीवन की जननी नहीं, बल्कि परिवर्तन की वाहक भी है। जब वह आगे बढ़ती है, तो समाज की दिशा बदल जाती है। इसलिए आज का संकल्प यही होना चाहिए कि महिला सशक्तिकरण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे जीवन की स्थायी संस्कृति बनाया जाए। तभी यह सिद्धांत सच होगा कि देना ही सबसे बड़ा पाना है।

-प्रो. आरके जैन

नीतीश के बाद बिहार की राजनीति, दो दशक से भी लंबी पारी पर विराम

जब पूरा देश होली में व्यस्त था, तब मीडिया में राज्यसभा सदस्यता के जरिये पुत्र निशांत के राजनीतिक आगाज की चर्चा चल रही थी, पर होली का खुमार उतरते-उतरते साफ हो गया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दो दशक से भी लंबी पारी पर विराम लगने जा रहा है। नीतीश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पटना में राज्यसभा के लिए नामांकन कर दिया। यह साफ है कि इतने महत्वपूर्ण राज्य में अंजाम दिए गए सत्ता परिवर्तन की पटकथा रातों रात नहीं लिखी गई होगी।

शायद यह पटकथा पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव के समय ही लिख दी गई थी। इसलिए नहीं कि जद-यू की 85 सीटों के मुकाबले भाजपा 89 सीटें जीत गई थी। भाजपा सीटें तो 2020 में भी जद-यू से ज्यादा जीती थी, फिर भी उसने नीतीश को ही मुख्यमंत्री बनाया, क्योंकि तब उनके पास राजद के साथ मिल सरकार बनाने का विकल्प था। भाजपा से तनातनी के बीच नीतीश ने वह विकल्प आजमाया भी, पर विपक्षी गठबंधन का संयोजक न बनाए जाने पर 2024 के शुरू में वे राजग में वापस लौट आए।

2025 के विधानसभा चुनाव में जद-यू की सीटें तो 43 से बढ़ कर 85 हो गईं, पर राजद और कांग्रेस की करारी हार के बाद नीतीश के पास कोई विकल्प नहीं बचा। दरअसल सहयोगी चिराग पासवान की लोजपा, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा के रालोमो की मिली सीटों की बदौलत भाजपा विपक्ष में मामूली तोड़फोड़ के जरिये पिछले साल ही बिहार में अपने पहले मुख्यमंत्री की ताजपोशी कर सकती थी, पर उसने नीतीश को सम्मानजनक विदाई का आफर दिया। शायद उसी के तहत नीतीश राज्यसभा जा रहे हैं। संभव है राज्यसभा सदस्य के रूप में नीतीश कुमार को केंद्र सरकार में कोई महत्वपूर्ण मंत्रालय मिल जाए। जद-यू द्वारा हरिवंश को तीसरी बार राज्यसभा न भेजने से वहां उप सभापति पद भी रिक्त होने जा रहा है, पर स्वास्थ्य संबंधी चर्चाओं के मद्देनजर नीतीश कुमार शायद ही वह जिम्मेदारी लें। जो भी हो, बिहार में पहले भाजपाई मुख्यमंत्री की ताजपोशी का रास्ता साफ दिख रहा है। राज्यसभा चुनाव 16 मार्च को होगा। नीतीश मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद ही देंगे, पर भाजपा में नया मुख्यमंत्री चुनने पर चर्चा शुरू हो चुकी है। नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई नाम चर्चा में हैं। अतीत का अनुभव बताता है कि पद की दौड़ में शामिल बताए जाने वाले नाम जीत के पोडियम तक कम ही पहुंच पाते हैं। देवेंद्र फडणवीस अपवाद हैं। जाति से प्रभावित बिहार की राजनीति में अपने पहले मुख्यमंत्री का चयन भाजपा के लिए आसान नहीं होगा, पर अपनी ही शैली में ऐसी चुनौतियों से पार पाते हुए हमने उसे कई बार देखा है। देखना यह होगा कि भाजपा अपने परंपरागत जनाधार वर्गों में से किसी पर दांव लगाती है या फिर जनाधार के विस्तार के लिए किसी नए वर्ग के चेहरे को चुनती है। नई सरकार में उप मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के पुत्र निशांत की ताजपोशी भी संभव है।

-सुनील कुमार महला

यूपीएससी टॉपर्स- व्यक्तिगत सफलता नहीं, राष्ट्र की विरासत रच रहे हैं

आज का प्रत्येक प्रयास राष्ट के भविष्य की रूपरेखा रचता है। यूपीएससी में सफलता अब केवल व्यक्तिगत गौरव या अंकों का प्रतीक नहीं रही; यह देशभक्ति और दूरदर्शी दृष्टि का अटूट प्रतीक बन गई है। टॉपर्स अपने अध्ययन के हर क्षण, प्रत्येक विश्लेषण और हर उत्तर में कल की नीतियों, सतत विकास और समावेशी समाज के बीज अंकुरित करते हैं। उनके लिए सिविल सेवा सिर्फ़ एक करियर नहीं, बल्कि राष्ट के सपनों को वास्तविकता में ढालने की तीव्र और गहन यात्रा है। वर्तमान के जटिल संकट–समानता की चुनौतियाँ, पर्यावरणीय आपात स्थिति, डिजिटल विभाजन–उनकी दृष्टि में कल के अवसरों में परिवर्तित हो जाते हैं। यही दूरदर्शिता उन्हें विशिष्ट बनाती है; उनके अध्ययन का हर क्षण राष्ट के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है।

राष्ट के भविष्य को आकार देने वाले टॉपर्स यह मानते हैं कि सिविल सेवा केवल प्रशासन का यंत्र नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता और समानता जैसे संवैधानिक मूल्यों को साकार करने का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। उनके दृष्टिकोण में आज का समर्पित अध्ययन कल के प्रशासन के मजबूत और अडिग स्तंभों का निर्माण करता है। उनके उत्तर केवल तथ्यों का संग्रह नहीं; उनमें सामाजिक संवेदनशीलता, जन-कल्याण की गहराई और पर्यावरण संरक्षण की स्पष्ट झलक प्रकट होती है। वे जानते हैं कि वास्तविक सफलता वही है जो समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्ग तक पहुँचे। यही सेवा का उत्कट जुनून उनकी रणनीति, तैयारी और उत्तर लेखन में निरंतर चमकता है।

टॉपर्स पुराने अध्ययन को केवल याद करने का औजार नहीं मानते; वे इसे वैश्विक संदर्भ और भविष्य की जटिल चुनौतियों–एआई के नैतिक प्रयोग, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता–से जोड़ते हैं। उनके लिए इंटरव्यू और उत्तर मंच सिर्फ परीक्षा का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट निर्माण की दूरदर्शी सोच प्रदर्शित करने का अवसर हैं। विकसित भारतञ्च2047 जैसे विज़न उनके अध्ययन और चिंतन में समाहित हैं–एक ऐसा भारत जहाँ नवाचार, समावेशिता और सतत विकास सामंजस्यपूर्ण रूप से फलते-फूलते हैं। यही दूरदर्शिता उन्हें प्रेरित करती है कि आज का प्रत्येक उत्तर कल की नीति और राष्ट निर्माण का अडिग आधार बने।

सफलताओं और असफलताओं के बीच टॉपर्स हर अनुभव को अवसर की दृष्टि से देखते हैं। वे जानते हैं कि राष्ट सेवा में धैर्य, करुणा और लचीलापन अनिवार्य गुण हैं। उनके दृष्टिकोण में यूपीएससी केवल परीक्षा नहीं, बल्कि समाज से गहन जुड़ाव और संवाद की प्रक्रिया है। महिला सशक्तिकरण, युवा बेरोजगारी और ग्रामीण-शहरी असमानता जैसे जटिल सामाजिक मुद्दों को वे सूक्ष्मता से समझते हैं। यही गहरा जुड़ाव उन्हें नई सोच और संवेदनशील दृष्टि प्रदान करता है, जहाँ सेवा केवल ड्यूटी नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च आदर्श बन जाती है। उनकी सफलता इसी मानवीय समझ और भावनात्मक गहराई की झलक से दमकती है। टॉपर्स मानक तरीकों में फँसकर नहीं रहते; वे माइंड मैप्स, केस स्टडीज और विचार-विमर्श के माध्यम से ज्ञान को जीवंत बनाते हैं। जीएस-4 (एथिक्स) उनके लिए केवल एक पेपर नहीं, बल्कि ईमानदारी, जवाबदेही और नैतिक निर्णयों का दैनिक अभ्यास है। उनके दृष्टिकोण में कल का भारत ऐसा देश होगा जहाँ प्रशासन नवाचार से सुसज्जित हो और भ्रष्टाचार का कोई स्थान न हो। रचनात्मक सोच उन्हें यह समझाती है कि आज की मेहनत, रणनीति और समर्पण ही कल की मजबूत, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील दुनिया की नींव रखेगी। सेवा की यह गहन भावना उनके रचनात्मक प्रयासों को निरंतर ऊर्जा और दिशा प्रदान करती है।

राष्ट के निर्माण की गहन भावना में टॉपर्स लगातार स्वयं से पूछते हैं– मैं अपने देश के लिए क्या योगदान दे सकता हूँ? यह आत्म-चिंतन उन्हें नई सोच, दूरदर्शिता और स्थायी दृष्टिकोण प्रदान करता है, जहाँ व्यक्तिगत विकास और राष्ट का विकास अविभाज्य रूप से जुड़ जाते हैं। वे समझते हैं कि सिविल सेवा में पद की शक्ति नहीं, बल्कि सेवा की शक्ति ही वास्तविक मूल्य है। उनके दृष्टिकोण में भविष्य का भारत संवेदनशील, निष्पक्ष और दूरदर्शी अधिकारियों के प्रेरक नेतृत्व में आकार लेगा। यही गहन आत्म-विश्लेषण उन्हें प्रेरित करता है कि आज का हर प्रयास कल के उज्ज्वल, सशक्त और न्यायपूर्ण राष्ट की नींव बने।

टॉपर्स आधुनिक तकनीक और ज्ञान के हर साधन का लाभ उठाते हैं–ऑनलाइन संसाधन, एआई टूल्स और अंतरराष्ट्रीय केस स्टडीज–ताकि भविष्य की जटिल चुनौतियों को आज ही समझा और हल किया जा सके। उनके लिए यूपीएससी केवल परीक्षा नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के बीच एक सशक्त सेतु है। वे सेवा को वैश्विक संदर्भ में देखते हैं–डिजिटल समावेश, जलवायु न्याय और सतत विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। यही दूरदर्शी और आधुनिक दृष्टि उन्हें विशिष्ट बनाती है, जहाँ उनकी तैयारी केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि राष्ट के उज्ज्वल और समृद्ध कल की अडिग नींव बन जाती है।

राष्ट निर्माण की दिशा में टॉपर्स की सफलता उनकी दूरदर्शिता का स्पष्ट साक्ष्य है–वे परीक्षा को केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि मिशन मानते हैं और सेवा की गहन भावना से प्रेरित होकर नयी सोच और रणनीतियाँ अपनाते हैं। उनकी यह यात्रा स्पष्ट संदेश देती है कि सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट की प्रगति और समाज के समग्र उत्थान से अभिन्न रूप से जुड़ी होती है। यूपीएससी की प्रक्रिया उनके लिए केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि सामूहिक सपनों और दूरदर्शी विचारों का प्रारंभिक मंच है। हमें भी इस दृष्टि को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए–जहाँ हर प्रयास भारत के उज्ज्वल, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए समर्पित हो। सेवा की यह लौ अनंत और अटूट है, क्योंकि यह राष्ट के सपनों की वास्तविक और अमिट अग्नि है।

-कृति आरके जैन

महिलाओं के योगदान को मिलती पहचान, गरिमापूर्ण रोजगार के नए अवसर हो रहे सृजित

देश आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका परिधि में नहीं, बल्कि केंद्र में रही है। आज समाज की हर दृश्यमान उपलब्धि के पीछे महिला संचालित एक आधारशक्ति अनवरत कार्य कर रही है, जिसका नाम है-देखभाल की अर्थव्यवस्था यानी केयर इकोनमी। यह वह मौन ऊर्जा है, जो भारत के अस्तित्व को हर पल संबल प्रदान करती है।

यह उस मां का समर्पण है, जो सूर्योदय से पूर्व अपनों के लिए भोजन पकाती है और फिर जीविका की चुनौतियों की ओर निकल पड़ती है। यह उस पत्नी की अटूट निष्ठा है, जो कठिन से कठिन समय में भी परिवार की नींव को दरकने नहीं देती। यह उस बेटी का निःस्वार्थ भाव है, जो दिन भर की थकान के बाद भी रात के पहर अपने माता-पिता के सिरहाने बैठती है। यह शक्ति किसी यश या प्रशंसा की आकांक्षी नहीं है। वह तो बस कर्तव्य की उस अविरल धारा की तरह है, जो बिना शोर मचाए सृजन करती रहती है।

ऐतिहासिक रूप से महिलाओं के योगदान का एक विशाल हिस्सा विशेषकर अवैतनिक देखभाल, अनौपचारिक श्रम और सामुदायिक सेवा पारंपरिक आर्थिक गणनाओं की परिधि से बाहर रहा है। इसे देखते हुए मोदी सरकार ने देखभाल के इस अदृश्य पहलू को कम करने, उसे सामाजिक मान्यता देने और उसके न्यायसंगत पुनर्वितरण पर बल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि विकास के अग्रदूत के रूप में मान्यता दी गई है। महिला नेतृत्व वाला विकास आज एक सशक्त नीतिगत दृष्टि है, जो बजट, कार्यक्रमों और संस्थागत सुधारों में परिलक्षित होती है।

सरकार का दृष्टिकोण देखभाल से जुड़ी सेवाओं को पेशेवर स्वरूप प्रदान कर उन्हें समावेशी विकास के एक नए इंजन के रूप में रूपांतरित करना है। यही कारण है कि हाल में भारत में महिला श्रम शक्ति सहभागिता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़ा भारतीय महिलाओं की बढ़ती आकांक्षाओं और आर्थिक गतिविधियों में उनके बढ़ते प्रभुत्व का सूचक है। सवैतनिक कार्यों में महिलाओं की यह भागीदारी न केवल घरेलू समृद्धि का आधार बन रही है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता को भी नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

आर्थिक सर्वेक्षण इस वास्तविकता को रेखांकित करता है कि यदि हम अवैतनिक देखभाल के बोझ को कम कर सकें और इन सेवाओं को एक व्यावसायिक स्वरूप प्रदान करें तो महिला रोजगार के परिदृश्य में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा। भारतीय केयर इकोनमी वर्तमान में लाखों लोगों की आजीविका का संबल है और आने वाले दशक में इसमें रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। यही कारण है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में केयर इकोनमी को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता ऐतिहासिक जेंडर बजट में स्पष्ट झलकती है, जिसका आवंटन अब तक के उच्चतम स्तर पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक पर पहुंच गया है। मोदी सरकार 1.5 लाख देखभालकर्ताओं के कौशल विकास में भी निवेश कर रही है, कामकाजी महिला छात्रावासों का विस्तार कर रही है और आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक बनाकर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सुनिश्चित कर रही है। इसके साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण प्रणालियों के समन्वय को भी सशक्त किया जा रहा है। ये सभी प्रयास एक स्पष्ट राजनीतिक और नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं कि जब महिलाओं को आवश्यक सहयोग और मंच मिलता है तो संपूर्ण अर्थव्यवस्था की गति तीव्र हो जाती है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता जैसे वैधानिक ढांचे शिशु देखभाल केंद्रों और श्रमिक कल्याण के प्रविधानों को सुदृढ़ करते हैं। ये सुधार एक गहरे सिद्धांत को प्रतिपादित करते हैं कि शिशु देखभाल सहायता कोई सुविधा मात्र नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय का एक अनिवार्य संरचनात्मक आधार है। मोदी सरकार महिलाओं और बच्चों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के केंद्र में रखती है, जो देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं। उनका सर्वांगीण कल्याण एक अनिवार्य रणनीतिक आवश्यकता है। 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

इससे परिवार के भीतर भी देखभाल से जुड़ी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। साथ ही करोड़ों बच्चों को व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, सुदृढ़ पोषण और स्वास्थ्य सहायता की नितांत आवश्यकता होगी। आज तेजी से होते शहरीकरण, प्रवासन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने हमारी पारंपरिक सामाजिक सहायता प्रणालियों को बदल दिया है। अनौपचारिक ढांचों पर बढ़ते दबाव के कारण अब सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिशु देखभाल एवं पारिवारिक सेवाओं की आवश्यकता अनिवार्य होती जा रही है। संगठित और सामुदायिक सेवाओं की यह मांग केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के शहरों और ग्रामीण जनपदों में भी तीव्रता से उभरेगी।

देखभाल की अर्थव्यवस्था में निवेश एक साथ कई राष्ट्रीय लक्ष्यों को मजबूत करता है। इससे महिला श्रमशक्ति की भागीदारी बढ़ती है, बाल विकास के परिणाम सुधरते हैं, बुजुर्गों का कल्याण सुनिश्चित होता है और गरिमापूर्ण रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं। देखभाल प्रणालियों के संस्थागत और पेशेवर होने से महिलाएं सशक्त होती हैं, परिवारों को स्थिरता मिलती है और संपूर्ण अर्थव्यवस्था को गति प्राप्त होती है।

जैसे-जैसे भारत अमृतकाल से विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है, यह स्पष्ट होता जा रहा है कि सामाजिक बुनियाद को सुदृढ़ किए बिना विकास को टिकाऊ नहीं बनाया जा सकता और केयर इकोनमी ही वह अनिवार्य आधार है। लिहाजा इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम देखभाल के अदृश्य श्रम को सम्मान देने और उसे संस्थागत रूप से सशक्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

-अन्नपूर्णा देवी

अमेरिका का मुगालता, रूस से तेल खरीद की छूट उदारता नहीं बल्कि मजबूरी

अमेरिकी प्रशासन ने भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की जो कथित छूट दी, उससे कुछ ऐसा ध्वनित हो रहा है कि यह तय करने का अधिकार उसने अपने हाथ ले लिया है कि कौन देश किससे, कब तेल खरीद सकता है और कौन नहीं? उसके पास ऐसा कोई अधिकार न था, न है और न हो सकता है, लेकिन यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के बहाने वह लंबे समय से भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाए हुए है। उसने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी थोपा, पर भारत ने इसकी परवाह नहीं की। आखिरकार उसने अपने स्तर से ही भारत से अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बन जाने की घोषणा करते हुए पारस्परिक टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत किया और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को खत्म किया। वास्तव में वह ऐसा करने के लिए बाध्य हुआ, क्योंकि भारत ने यूरोपीय संघ से सभी व्यापार समझौते की जननी कहे जाने वाला व्यापार समझौता कर उसे यह संदेश दिया कि उसके पास और भी विकल्प हैं। सच यह भी है कि भारत ने रूस से तेल खरीद पूरी तौर पर कभी भी बंद नहीं की। जनवरी और फरवरी माह में भी उसने रूस से तेल खरीदा। इसके अलावा भारत बार-बार यह भी दोहराता रहा है कि वह अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए रूस समेत कहीं से भी तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है। आखिर जब भारत रूस से तेल खरीद ही रहा है तो फिर अमेरिका के यह कहने का क्या मतलब कि वह भारत को उससे 30 दिन के लिए तेल खरीदने की छूट दे रहा है? अमेरिका ने तथाकथित उदारता दिखाते हुए भारत को रूस से तेल खरीदने की जो मंजूरी दी, वह उसकी मजबूरी का ही परिचायक है।

-धनंजय राजौरा

सांवरा जब से लगाई तस्वीर, मेरी तो बदल गई तकदीर

एक शाम सांवरिया सेठ के नाम कार्यक्रम में देर रात तक झूमे नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ओ सांवरा जब से लगाई तेरी तस्वीर, मेरी तो बदल गई तकदीर, सांवरिया सेठ दे दे, म्हारा रे मालिक दे दे......तेरी गाड़ी, तेरा बंगला, सब कुछ तेरो सरकार मेरा तो कुछ भी नहीं......सांवरा एक दिन पधारो म्हारा घर पावणा......। राजस्थानी सुर और ताल के साथ जब यह भजन कानो में पड़े तो पूरा शहर सांवरा की भक्ति में डूब गया। हरेक भजन पर नगरवासियों ने तालियों की गड़गड़ाहट और नाच-गाकर इनका आनंद लिया। अवसर था होली उत्सव समिति द्वारा आयोजित ''एक शाम सांवरिया सेठ के नाम'' भजन संध्या कार्यक्रम का, जिसकी सौगात शनिवार को नगरवासियों को होली उत्सव समिति द्वारा दी गई।

सर्व हिन्दू उत्सव अध्यक्ष पं. आशीष नागर, होली उत्सव समिति संयोजक पं. गोविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा, सचिव अंकित अंबावतिया व सह संयोजक जीत पारछे की टीम के प्रयासों से नगरवासियों की होली को और रंगीन बनाया जा रहा है। जिनके द्वारा प्रतिदिन एक से बढ़कर एक आयोजन किए जा रहे हैं। जिसके चलते दिन में रंगों से सराबोर होने वाले नगरवासी शाम को भी पर्व के उत्साह में डूबे नजर आ रहे हैं। शनिवार शाम को भी अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान के आरआर म्यूजिकल ग्रुप के प्रसिद्ध कलाकार रोहित राजस्थानी, तेज सिंह हिंदुस्तानी व राहुल सोलंकी ने एक से बढ़कर एक भजनो की प्रस्तुति देकर नगरवासियों को यहीं पर भगवान सांवरिया जी के दर्शनों का लाभ दिया। देर रात तक चले इस भक्तिमय कार्यक्रम को लोगों ने न सिर्फ उपस्थित होकर देखा। बल्कि नगर के हर घर में टाईम मीडिया द्वारा की गई लाईव प्रसारण की व्यवस्था से भी देखा गया।

सुर और संगीत से भी सजी नगर की शाम- इसके पूर्व शुक्रवार शाम को भी देवास के यंग मेलोडियंस ग्रुप के कलाकारों ने सुर, संगीत के साथ अपनी नृत्य की कला से मंच सजाया, जिन्होंने सभी नगरवासियों को अपनी कला के माध्यम से पर्व की शुभकामनाएं दी। इन कलाकारों ने नगरवासियों की मांग को भी सर आंखों पर रखते हुए प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। यही वजह थी कि होली उत्सव समिति पदाधिकारियों द्वारा आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों को सभी ने पसंद किया और पदाधिकारियों की मेहनत को भी सराहा।

आज फागयात्रा के साथ मैच का आनंद लेंगे नगरवासी- सर्व हिन्दू उत्सव समिति मीडिया प्रभारी सुमित भावसार ने बताया कि होली पर्व का समापन रविवार को फाग यात्रा के साथ होगा जो आजाद चौक, सोमवारिया, मगरिया, काछीवाड़ा होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगी जहां फाग यात्रा का समापन होगा। इसके बाद शाम को अखाड़ों के उस्तादों को सम्मानित किया जाएगा। श्री भावसार ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम ने विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है, जिनका मुकाबला रंग पंचमी पर ही न्यूजीलैंड की टीम से होगा। इस मैच के सीधे प्रसारण की व्यवस्था भी होली उत्सव समिति द्वारा की गई है, जो आजाद चौक में बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जाएगा। समिति सदस्यों ने सभी नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर मैच का आनंद लेने की अपील की है।

रंगपंचमी पर 300 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी के अवसर पर भव्य फाग यात्रा और रंगोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने शहर में 300 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात करने का निर्णय लिया है। आरआई वंदना सिंह ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रंगपंचमी पर हुड़दंग या अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फाग यात्रा रविवार दोपहर 12 बजे आजाद चौक से शुरू होगी। यह यात्रा छोटा चौक, सोमवारिया बाजार और मगरिया मार्ग से होते हुए बस स्टैंड पर समाप्त होगी। इस यात्रा में शहर के बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर रंगों के साथ उत्सव मनाएंगे। आयोजन के दौरान डीजे पर प्रतिबंध रहेगा और पारंपरिक ढोल-नगाड़ों व लोक नृत्यों के साथ फाग यात्रा निकाली जाएगी। शाजापुर में हर साल होली का पर्व पांच दिनों तक धूमधाम से मनाया जाता है। रंगपंचमी के दिन पूरे शहर में रंगोत्सव का माहौल रहता है। आजाद चौक पर सुबह से ही सार्वजनिक होली उत्सव समिति द्वारा रंगों की बौछार शुरू कर दी जाएगी, जिसके बाद फाग यात्रा के साथ पूरा शहर रंगों में सराबोर नजर आएगा। इस दिन लोग पारंपरिक रूप से एक-दूसरे पर रंग-गुलाल लगाकर त्योहार मनाते हैं।

ग्रामीणों ने ली बाल विवाह रोकथाम की शपथ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम हीरपुरा टेका स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत शनिवार को आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीणों को बेटी बचाओ के साथ ही बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सभी को बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर सुपरवाइजर अरुणा, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता भाग्यश्री खत्री, माया गोठन, नीमा गोठन, एएनएम कविता राठौर, आशा कार्यकर्त्ता निशा जोशी आदि उपस्थित थे।

डाक विभाग ने शुरू की पार्सल पिकअप सेवा

पोस्टमेन घर से लेकर जाएंगे पैकेट, जागरूकता रैली निकालकर दी जानकारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय डाक विभाग ने नगर में नई पार्सल पिकअप एवं बुकिंग सेवा शुरू की है। इस सुविधा के प्रति आमजन और व्यापारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को एक जागरूकता रैली निकाली गई।

यह रैली नई सड़क स्थित डाकघर से सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई और बस स्टैंड तक पहुंची। इस दौरान डाक विभाग के कर्मचारियों ने दुकानदारों और नागरिकों से संपर्क कर उन्हें इस नई सुविधा की विस्तृत जानकारी दी। इस नई सेवा के तहत अब ग्राहकों को पार्सल भेजने के लिए डाकघर आने की आवश्यकता नहीं होगी। ग्राहक मोबाइल ऐप, वेबसाइट या सीधे डाक विभाग से संपर्क कर सकते हैं, जिसके बाद विभाग का कर्मचारी उनके घर, दुकान या व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर पहुंचकर पार्सल पिकअप करेगा। पार्सल पिकअप के बाद उसकी बुकिंग की जाएगी और ग्राहक को रसीद भी दी जाएगी। डाक विभाग का दावा है कि यह सेवा कूरियर और अन्य निजी सेवाओं की तुलना में अधिक किफायती है। नई सड़क स्थित डाकघर के सहायक अधिकारी सका वासुनिया ने बताया कि यह सुविधा विशेष रूप से व्यापारियों और नियमित पार्सल भेजने वाले ग्राहकों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। विभाग का व्यापक नेटवर्क इसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध कराएगा। वासुनिया ने यह भी बताया कि इस सेवा के माध्यम से ग्राहकों को कम शुल्क में घर-द्वार पर पार्सल पिकअप, बुकिंग और ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

यह होंगे फायदे- घर या दुकान से ही पार्सल भेजने की सुविधा और ग्राहक को डाकघर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। समय की बचत होगी। खासकर व्यापारियों और आनलाइन सामान बेचने वालों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी है। डाक विभाग का नेटवर्क गांव-गांव तक होने के कारण यह सुविधा छोटे कस्बों और गांवों में भी मिल सकती है। साथ ही ग्राहक अपने पार्सल की स्थिति मोबाइल ऐप या वेबसाइट से देख सकते हैं। इससे छोटे दुकानदार और होम-बिजनेस करने वाले लोग आसानी से अपने उत्पाद देशभर में भेज सकेंगे।

हाईवे पर बेकाबू होकर तीन बार पलटी कार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे-52 पर शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे एक सड़क हादसा हुआ। नैनावद के पास जिओ पेट्रोल पंप के सामने एक टीयूवी जीप बेकाबू होकर हाईवे के बीच बनी खाई में पलट गई। इस दुर्घटना में जीप चालक बाल-बाल बच गया और उसे गंभीर चोटें नहीं आईं। जानकारी के अनुसार ग्राम साजोद निवासी मोहित शाजापुर से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान हाईवे पर सामने से एक वाहन गलत दिशा में आता दिखाई दिया। मोहित ने उसे बचाने का प्रयास किया, जिससे उनकी टीयूवी जीप अनियंत्रित हो गई। जीप सड़क से नीचे उतरकर खाई में जा गिरी और तीन बार पलटी खाई। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और चालक मोहित को जीप से सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। नैनावद चौकी प्रभारी जीएस सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है।

मोढ़ वणिक समाज ने निकाला फूलपाती चल समारोह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोढ़ वणिक समाज द्वारा शनिवार को नगर में फूलपाती चल समारोह निकाला गया जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ मोढ़ वणिक धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुआ। जहां सभी ने भगवान की आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। चल समारोह की शुरूआत धर्मशाला से हुई जो छोटा चौक, आजाद चौक, सोमवारिया बाजार, वजीरपुरा होते हुए धर्मशाला पहुंचा। इस चल समारोह में राधा-कृष्ण बने नन्हे बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे। इस चल समारोह में बड़ी संख्या में शामिल समाजजनों ने नाच-गाकर फूलपाती मनाई। इसके बाद धर्मशाला पहुंचकर सभी ने राधा-कृष्ण मंदिर में प्रभु की आरती कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया तथा सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष कमल किशोर गुप्ता, मंत्री राकेश नवाब, कोषाध्यक्ष भगवानदास गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपास्थित थे।

कैला देवी मंदिर में 20 मार्च से होने वाली भागवत कथा हेतु कार्यकर्ताओं की बैठक में फूलों की होली के साथ फागोत्सव मनाया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र नवरात्रि पर कैला देवी मंदिर में प्रतिवर्षानुर नवरात्रि महोत्सव पर होने वाले धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान के साथ 20 मार्च से होने वाली श्रीमद भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ में भव्य आयोजन को लेकर केला देवी मंदिर उत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य आयोजक मन्नूलाल गर्ग, दीपक गर्ग, कार्यक्रम के संयोजक रायसिंह सेंधव ने भागवताचार्य महामंडलेश्वर वृंदावन के संत श्री भास्करानंद जी महाराज की कथा को लेकर विस्तृत रूपरेखा रखी, पूर्व महापौर रेखा वर्मा, राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास, विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव, रमन शर्मा, अजब सिंह ठाकुर राजेश व्यास ने कार्यक्रम की भव्यता को लेकर अपने विचार प्रतुत किए। महिला शक्ति का आव्हान करते हुए अनामिका गर्ग ने बताया कि कथा प्रति वर्ष होती है किंतु इस वर्ष हवनात्मक कथा का आयोजन होने जा रहा है। इसमें प्रत्येक महिला पुरुष कार्यकर्ता एवं भक्त गण नित्य यज्ञ में आहुति प्रदान करने का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। महिला मंडल की ओर से राजूबाई चौधरी , गरीमा श्रीवास्तव, वीणा महाजन, मधु शर्मा ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के पश्चात भजन गायिका अनीता दुबे, अनीता श्रीवास्तव सहित महिला कार्यकर्ताओं ने होली के गीतों की प्रतुति दी एवं समिति के पदाधिकारी एवं समस्त कार्यकर्ताओं ने फूलों की होली के साथ फाग उत्सव मनाया। इस अवसर पर भजन गायक संजय जैन लक्खा ने भजन की प्रस्तुति देते हुए दीपक गर्ग का सम्मान किया।

उकावता चौकी में निकला जहरीला सांप, स्नेक कैचर ने किया रेस्क्यू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की उकावता पुलिस चौकी में शुक्रवार देर रात उस समय हलचल मच गई जब परिसर में एक जहरीला सांप दिखाई दिया। सांप के दिखते ही वहां मौजूद पुलिसकर्मी सतर्क हो गए और तुरंत उसे पकड़ने की व्यवस्था की गई।

घटना का एक वीडियो शनिवार दोपहर करीब 3 बजे सामने आया, जिसमें सांप पुलिस चौकी परिसर में घूमता नजर आ रहा है। सांप को देखकर चौकी में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत सर्पमित्र को सूचना देने का निर्णय लिया। स्थिति को देखते हुए चौकी प्रभारी आरसी यादव ने अभयपुर निवासी सर्पमित्र संजय पाटीदार को फोन कर मौके पर बुलाया। सूचना मिलते ही वे तुरंत पुलिस चौकी पहुंच गए। जिन्होंने सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कुछ देर की कोशिश के बाद उन्होंने सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। इस दौरान चौकी में मौजूद पुलिसकर्मी और आसपास के लोग भी मौके पर मौजूद रहे। संजय पाटीदार ने बताया कि यह जहरीली प्रजाति का सांप था। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि अगर किसी को सांप काट ले तो तुरंत अस्पताल जाएं और झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें। चौकी प्रभारी आर.सी. यादव ने भी पुष्टि की कि सांप जहरीला था, इसलिए रेस्क्यू के दौरान पूरी सावधानी बरती गई। बाद में सांप को सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन सूर्यवंशी संगठन का होली मिलन समारोह संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय किसान यूनियन सूर्यवंशी संगठन का होली मिलन समारोह बहुत ही हर्ष उल्लास से मनाया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि देवास विधायक राजमाता श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्रीमती पवार ने महिलाओं के सशक्तिकरण की इस प्रकार की पहल के लिए संगठन को शुभकामनाएं प्रेषित की ओर आश्वस्त किया कि संगठन की प्रत्येक देश हितार्थ गतिविधियों में उनका पूरा सहयोग रहेगा। संगठन किसान ओर मजदूर वर्ग के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है जिसकी देश को आवश्यकता है। इस अवसर पर मनोरमा, वीणा के साथ कई महिलाए एवं बच्चे भी उपस्थित थे। दो भजन मंडलियों भजनों के साथ, नृत्य, फूलों से वर्षा कर इस उत्सव को मनाया। करीब 150 से अधिक कार्यकर्ता, महिला सदस्य एवं पदस्थ अधिकारी उज्जवला व्यास, हिरामणी, विद्या, भागवती, बेबी, रेखा, संगीता, माधुरी, हर्षा, चेतन, आनन्द, अनुप एवं किसान भाई उपस्थित थे।

वनरक्षकों ने सीखी हरियाली की तकनीक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण और वानिकी के गुर सिखाने के उद्देश्य से वन विद्यालय झाबुआ के 83 वें प्रशिक्षु वनरक्षक बैच ने देवास के प्रसिद्ध शंकरगढ़ पहाड़ी क्षेत्र का भ्रमण किया। वन मंडलाधिकारी अमित चौहान के निर्देशन में आयोजित इस चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 48 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

प्रमुख जिलों के प्रशिक्षु हुए शामिल- वैभव उपाध्याय (वन क्षेत्रपाल) के नेतृत्व में आए इस दल में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे खंडवा, बुरहानपुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और इंदौर के वनरक्षक शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन उपवन क्षेत्रपाल श्री राकेश मोदी द्वारा किया गया।

पहाड़ी को हरा-भरा बनाने के सामुदायिक प्रयासों पर चर्चा- प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों और विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं को शंकरगढ़ पहाड़ी के कायाकल्प की कहानी सुनाई। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जानकारी दी गई-

सामुदायिक सहभागिता- कैसे जन-भागीदारी से एक पहाड़ी को वन का रूप दिया गया।

विशेषज्ञ मार्गदर्शन-राजेश चौहान (वन परिक्षेत्राधिकारी), श्याम शर्मा (परिक्षेत्र सहायक), और कृष्णा यादव (वनरक्षक) ने वानिकी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

ग्रीन आर्मी का योगदान- ग्रीन आर्मी के भरत पाटीदार ने वन संरक्षण और जागरूकता के जमीनी अनुभवों को साझा किया।

इन वाटिकाओं और तकनीकों का किया अवलोकन- प्रशिक्षुओं ने पहाड़ी पर स्थित विभिन्न वाटिकाओं का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली को समझा।

विविध वाटिकाएं- त्रिवेणी वाटिका, स्मृति वाटिका, न्याय वाटिका, पुलिस वाटिका और मियांवाकी वृक्षारोपण।

तकनीकी ज्ञान- नगर वन क्षेत्र में रोपित की गई 42 प्रजातियों, पौधारोपण तकनीक, और भू-जल संरक्षण के लिए बनाई गई संरचनाओं का अध्ययन किया।

नवाचार- प्रशिक्षुओं ने सीड बॉल निर्माण और बीज रोपण की विधियों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नए वनरक्षकों को किताबी ज्ञान से हटकर धरातल पर हो रहे सफल प्रयोगों से परिचित कराना था, ताकि वे अपने क्षेत्रों में जाकर वनों के प्रति जागरूकता और संरक्षण के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें।

सेवा, सुरक्षा और स्वाभिमानरू लाइनमैन दिवस पर सुरक्षा मानकों को दोहराने का संकल्प

मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड देवास द्वारा लाइनमैन दिवस मनाया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास वृत्त द्वारा 07 मार्च को उज्जैन रोड स्थित निजी गार्डन में लाईनमेन दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाईन कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

विशेष रूप से लाईन एवं तकनीकी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता केतन रायपुरिया, अधीक्षण यंत्री, वृत्त देवास द्वारा की गई।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा नियमों के पालन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मैदानी कर्मचारियों को समय-समय पर आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनका उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में वृत्त के समस्त संभागों के कार्यपालन यंत्रीगण भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर वृत्त की विभिन्न इकाइयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित लाईन कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र, सेफ्टी टूल बैग एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गायन , चित्रकला, रंगोली, नुक्कड़ नाटक, नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई, जिसने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाया। साथ ही स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर अधिकारी कर्मचारियों द्वारा ब्लड डोनेट भी किया गया।

इस आयोजन हेतु कार्यपालन यंत्री, विश्वजीत झा शहर संभाग नोडल अधिकारी के निर्देशन में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जिससे वे अपने कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पूर्णतः पालन करने के लिए संकल्पित हों।कार्यक्रम का सफल संचालन विद्याचरण तिवारी कनिष्ठ यंत्री एवं वंदना सहायक प्रबंधक द्वारा किया गया।

सीहोर जिले में नरवाई जलाने पर कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध, नरवाई जलाने पर होगी कार्यवाही

सीहोर /दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बालागुरु के. द्वारा सीहोर जिले में खेतों में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशानुसार फसल कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए कुछ किसानों द्वारा खेतों में आग लगाकर नरवाई नष्ट की जाती है, जिससे हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे मिट्टी की उर्वरता भी कम होती है, सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जनसंपत्ति और प्राकृतिक वनस्पति को नुकसान पहुंचता है तथा आगजनी की घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। जिले में रोटावेटर जैसे वैकल्पिक साधन उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग कर खेत साफ किए जा सकते हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

जारी आदेशानुसार नरवाई जलाने पर पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है, जिसके तहत 02 एकड़ से कम भूमि वाले कृषकों पर 2500 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ तक भूमि वाले कृषकों पर 5000 रुपये प्रति घटना और 05 एकड़ से अधिक भूमि वाले कृषकों पर 15000 रुपये प्रति घटना पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में वसूले जाएंगे। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने किसानों से अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित को दृष्टिगत रखते हुए नरवाई न जलाएं और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाएं।

नरवाई नही जलाने के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूक- कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में कृषि विभाग के अमले द्वारा गांव-गांव में लाउडस्पीकर के माध्यम से किसानों को समझाइश दी जा रही है कि वे फसल अवशेष (नरवाई) को जलाने के बजाय वैज्ञानिक तरीकों से उसका प्रबंधन करें। साथ ही किसानों को नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हो और कृषि उत्पादन भी अधिक हो।

बडनगर विद्युत विभाग चोरों की तरह रात में घुसकर काटा था, मीटर अब बनने चले साहूकार

खबरों से बौखलाए सहायक यंत्री अजय राही ने आज लगाया पीड़ित की दुकान पर मीटर पीड़ित ने मीटर लगाने को ली आपत्ति का कहा अजय राही पर हो पहले प्रकरण दर्ज

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बडनगर अब साहूकार बनने चली है जबकी कुछ दिन पहले कांतिलाल कुमठ के यहां चोरों की तरह घुसकर जो मीटर कनेक्शन काट कर ले जाया गया उसे वापस दुकान पर दोबारा लगा दिया गया है बिजली विभाग की गलती साफ दिखाई दे रही है जिस पर व पर्दा डालते नजर आ रहे हैं चोरों की तरह घुसे सहायक यंत्री अजय राही जबकि मामले में पीड़ित दुकानदार कांतिलाल कुमठ का कहना है कि बिना सूचना के पहले मीटर काट दिया और अब लगातार मीडिया द्वारा खबर प्रकाशित करने के बाद मीटर इस दुकान पर लगा दिया इससे साफ साबित होता है कि अजय राही ने गलती की थी लेकिन अब पीड़ित परिवार अजय राही पर प्रकरण दर्ज करने की बात पर डटे हुए हैं।

पीड़ित परिवार ने न्यायालय में भी इसकी शिकायत की है क्योंकि मामला न्यायालय में चल रहा है बड़नगर विद्युत विभाग चोर की दाढ़ी में तिनका इस कहावत को सही साबित करता है क्योंकि लगातार हमारे द्वारा प्रकाशित की गई खबरों से बौखलाए सहायक यंत्री अजय राही फिर गलती कर बैठे।

उन्होंने जिस मीटर को कांतिलाल कुमठ की दुकान पर छत के ऊपर से चोरों की तरह घुसकर काटा था जब अगर सहायक यंत्री अजय राही सही थे तो फिर उन्होंने खबर चलने के दो दिन बाद बोखला कर आज लगभग 12:00 बजे पहुंच कर उसी दुकान के बाहर दोबारा जो मीटर काट कर ले गए थे उसे लगा दिया जिससे बिजली विभाग के डिवीजनल इंचार्ज रजनीश यादव ने जो गलती मानी थी वह बात साबित हो गई और सहायक यंत्री अजय राही गलत साबित हुए क्योंकि उन्होंने गलती की थी तभी उन्होंने दोबारा कटा हुआ मीटर न्यायालय के डर से वापस लगा दिया क्योंकि मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने न्यायालय में गुहार लगाई है अब देखना होगा कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी और बड़नगर के डिवीजनल इंचार्ज रजनीश यादव अपने सहायक यंत्री अजय राही तानाशाही नियमों को ताक पर रखने वाले धज्जियां उडॉने वाले इंजीनियर पर क्या कार्रवाई करते हैं या लीपा पोती कर कर मामले को दबा दिया जाता है सूत्रो से यह भी ज्ञात हुआ है की अजय राही ट्रांसफार्मर फाइल सैंक्शन करने के पैसे ठेकेदारों से लेते हैं और फिर फाइल को आगे बढ़ाते अगले अंक में ट्रांसफार्मर फाइल को लेकर करेंगे खुलासा वही इस पूरे मामले में एसडीएम धीरेंद्र पराशर ने कहा नोटिस जारी कर कार्यवाही की जाएगी।

महिला दिवस पर फाग महोत्सव, रंग-गुलाल के साथ दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विप्र नारी शक्ति अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी शर्मा के निवास पर फाग महोत्सव एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एकता, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर संभागीय सदस्य स्मिता शर्मा ने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपने कार्यों से समाज में नई पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही महिलाओं से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में फाग उत्सव बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली खेली और महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महिला एकता व सशक्तिकरण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विप्र नारी शक्ति से सीमा शर्मा, प्रियंका शर्मा, प्रियंका संजय शर्मा, मंजू ओझा, मंजू लिटोरिया, प्रीति तिवारी, निशा शर्मा, संजना व्यास, माया मनावत सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी शिवानी अग्निहोत्री ने दी।

कलेक्टर ने चारोलीपाड़ा गौशाला का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा घोषित कृषि कल्याण वर्ष 2026 के उद्देश्य के अनुरूप गौसंवर्धन, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर नेहा मीना ने जिले की चारोलीपाड़ा गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं, गौवंश की देखभाल, चारे की उपलब्धता, जल व्यवस्था तथा परिसर में उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गौशाला परिसर के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में चारा उत्पादन क्षेत्र विकसित करने, स्थल को अधिक आकर्षक एवं रमणीय बनाने तथा गौशाला के समग्र विकास हेतु तैयार विस्तृत परियोजना को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य किए जाने से गौशाला का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा। कलेक्टर ने गौवंश के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गौशाला परिसर में स्थित तालाब के गहरीकरण एवं कुएं के गहरीकरण की कार्यवाही कराने के निर्देश भी दिए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कलेक्टर नेहा मीना का संदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च)के अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना ने जिले की सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि महिला शक्ति सृजन, संवेदनशीलता और संकल्प की अद्भुत प्रतीक है। एक महिला केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की सशक्त धुरी भी है।

कलेक्टर ने कहा कि जब एक बेटी शिक्षित होती है, तो एक पूरा परिवार और समाज शिक्षित एवं सशक्त बनता है। आज महिलाएँ शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, कृषि, उद्यमिता, खेल और सामाजिक नेतृत्व जैसे अनेक क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रही हैं। उनकी प्रतिभा, परिश्रम और दृढ़ संकल्प समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि एक सतत सामाजिक संकल्प है। महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जब महिलाएँ सशक्त होती है, समाज और राष्ट्र भी सशक्त होता है।

छोटा सा गांव बड़ा परिवार मां की असीम कृपा से राजनीतिक क्षेत्र से लेकर शासकीय नौकरी न्यायालय में एडवोकेट जैसे मुकाम किया हासिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शाजापुर न्यायालय में एडवोकेट शिव कलेशरिया ने महिला दिवस के मौके पर जगत जननी मां के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहां की दुनिया के अंदर मां एक वह शब्द है जो दुनिया का सबसे सुंदर शब्दों में माना जाता है शाजापुर जिले के ग्राम धतुरिया गांव के एक छोटे से परिवार की मुखिया दुर्गाबाई पति लक्ष्मी नारायण जी कलेशरिया जो की शासकीय प्राचार्य की रूप में कार्यरत थे मां दुर्गा बाई ने परिवार की तरक्की के लिए हिम्मत और साहस रखते हुए घर की देखभाल के साथ ही परिवार की पुरी मुख्य जवाबदारी परिवार में मां की असीम कृपा से जो परिवार के सदस्य नौकरी एवं उनके एक बेटे शाजापुर में एडवोकेट एवं टीचर मेडिकल की डिग्री पुलिस बैंक मैनेजर शासकीय अर्थशासकीय कंपनी एवं राजनीतिक क्षेत्र में भी पदाधिकारी के रूप में सेवा का समर्पण कर रहे हैं पुत्र शिव कलेशरिया बताते हैं की मां दुनिया का वह सबसे प्यारा शब्द है जो हर व्यक्ति की तरक्की का दरवाजा खोल देती है जिसका जीता जाता उदाहरण मे स्वयं वह मेरा परिवार है मां के असीम कृपा से मेरे परिवार में 9 सदस्य शासकीय अर्ध शासकीय नौकरी में कार्यरत हैं जहां बेटा एडवोकेट है तो बहू टीचर भी है यह सारी ऊर्जा मेरी परम पूजनीय माता श्री दुर्गाबाई ने चिमनी के उजाले में हमारी पढ़ाई लिखाई करवा कर हमें इस लायक और इस मुकाम तक पहुंचा दिया मां का इतना कर्ज है कि जीवन में कभी नहीं उतार सकते हैं मां आज भी घरेलू कार्य में चढ़ बड कर भाग लेती हैं पारिवारिक सदस्यों को टेलीविजन के माध्यम से दिन प्रतिदिन वार्तालाप भी होती है मां आज भी पेंशनधारी है महिला दिवस के पावन शुभ अवसर पर मां शब्द का बखान करना हर भारतीयों का कर्तव्य हम परिवार के तीनों भाई की ओर से महिला दिवस पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं।

विधायक डॉ. सतीश मालवीय के सानिध्य में शांतिलाल धाकड़ द्वारा उन्हेल नगर की दशा और दिशा बदल रही है इतिहास

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक डॉक्टर सतीश मालवीय के सानिध्य में शांतिलाल धाकड़ द्वारा उन्हेल नगर की दशा और दिशा बदल रही है इतिहास में पहली बार करोड़ों की सौगात के निर्माण कार्य जो की अविश्वसनीय अकल्पनीय है हर वार्ड में नगर के मुखिया द्वारा बिना किसी भेदभाव के युद्ध स्तर पर कार्य पूर्ण होने की कगार पर यहां पर यह दोहा चरितार्थ होया है कि मुखिया मुख सो चाहिए खान-पान को एक।

पाले पोसे सकल अंग तुलसी सहित विवेक। नगर के सामान्य नागरिक द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा कर नगर के मुखिया की बात सकल विकास के साथ कहीं जा रही है नगर के चाहूँ और विकास के साथ-साथ नर्मदा का पानी भी कुछ दिनों या महीना में में मिलने लगेगा नगर वासियों को मिलने लगेगा जिससे दम पर भर पानी ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निजात मिलेगी जिसका सीधा-सीधा असर विधायक डॉक्टर सतीश मालवीय एवं नगर के मुखिया शांतिलाल धाकड़ एवं उनकी सोची समझी कार्य योजना एवं उनके सलाहकार समिति के प्रमुख सदस्यों ने मिलकर शानदार कार्य को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभाई और शांतिलाल के कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने वाली टीम से नगर की जनता को खूब फायदा मिल रहा है और मिलेगा वहीं उनके विरोधी तत्व दांतों उंगली दबा रहे हैं जब डैम की हाइट ऊंचाई बढ़ाई गई थी तब भी बहुत विरोध हुआ था जबकि इससे नगर वासियों को बड़ा फायदा हुआ था अब ग्रामीण क्षेत्र के कृषकों को सैकड़ो कुंटल गेहूं का फायदा नर्मदा जल उन्हेल में आने से गंभीर नदी का बचे हुए पानी का सीधा-सीधा फायदा ग्रामीण जनों को मिलेगा। दो टंकी महिला और पुरुष के अलग-अलग दो मॉल एवं नाला निर्माण कार्य जो की एक बड़ी सौगात नगर विकास में अग्रणी मानी जाएगी।

एवीजीसी कॉन्टेंट क्रिएटर लैब पर पोस्ट बजट वेबिनार 9 मार्च को

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र के विकास तथा ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 9 मार्च 2026 को ऑरेंज इकोनॉमी के लिए एवीजीसी कॉन्टेंट क्रिएटर लैब विषय पर राष्ट्रीय स्तर का पोस्ट बजट वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार का आयोजन भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग और नीति आयोग के समन्वय से केंद्रीय बजट 2026-27 में ऑरेंज इकोनॉमी के लिए आवंटन~ स्कूलों और कॉलेजों में AVGC कंटेंट क्रिएटर लैब विषय पर एक विशेष सत्र भी आयोजित किया जा रहा है। इस सत्र में संबंधित मंत्रालयों के मंत्री भागीदारी करेंगे।

वेबिनार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विशेष संबोधन देंगे और एवीजीसी कॉन्टेंट क्रिएटर लैब की अवधारणा पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा देश के 15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कॉन्टेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने की पहल की गई है। विद्यार्थियों में रचनात्मक और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने का लक्ष्य है। वेबिनार को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान तथा राज्य मंत्री (योजना) श्री राव इन्द्रजीत सिंह भी संबोधित करेंगे। वेबिनार के उद्घाटन सत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, सचिव उच्च शिक्षा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी नीति आयोग, सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सचिव उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन तथा सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम में एवीजीसी कॉन्टेंट क्रिएटर लैब इन स्कूल्स एंड कॉलेजेज विषय पर ब्रेक आउट सत्र भी आयोजित होगा। इस सत्र में व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल के वीपी एवं सीटीओ श्री चैतन्य चिंचलीकर मॉडरेटर की भूमिका निभाएंगे। पैनल में श्री दीपक साहू (अतिरिक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग), डॉ. आशीष कुलकर्णी (चेयरमैन, फिक्की एवीजीसी फोरम), श्री राजन नवानी (ग्रुप सीईओ, जेटसिंथेसिस), सुश्री सोनम भगत (सीईओ, वाइग्र) तथा सुश्री रीथ गुप्ता (आईआईसीटी छात्रा) शामिल रहेंगी। इसके साथ ही श्री मुंजाल श्रॉफ (ग्राफिटी मल्टीमीडिया), श्री बीरेन घोष (टेक्नीकलर ग्रुप), श्री मानवेन्द्र शुक्ल (लक्ष्य डिजिटल) तथा सुश्री प्रतिवा मोहपात्रा भी सत्र में अपने विचार रखेंगे। एक अन्य सत्र की शुरुआत उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री विनीत जोशी द्वारा की जाएगी। इसमें श्री चंद्रजीत बैनर्जी (डीजी, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री), श्री प्रताप बोस (एनआईडी एलुमनस, महिंद्रा एंड महिंद्रा ऑटोमोबाइल), प्रो. गोविंदन रंगराजन (निदेशक, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु), प्रो. शुचि सिन्हा (एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली), प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमणियम (निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स) तथा डॉ. अनुपमा खन्ना (सीनियर ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट, एनआईपीआइडी रीजनल सेंटर, नोएडा) अपने विचार रखेंगे।

यह वेबिनार देश में रचनात्मक उद्योगों को बढ़ावा देने, युवाओं को नई डिजिटल और क्रिएटिव स्किल से जोड़ने तथा एवीजीसी क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वेबिनार में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत तथा एवीजीसी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों और हितधारकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। केंद्रीय बजट में देशभर के 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एव्हीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिसमें आईआईसीटी राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी। इस पहल का उद्देश्य औपचारिक शिक्षा प्रणाली में रचनात्मक और डिजिटल कौशल को शामिल करना तथा भारत की ऑरेंज इकोनॉमी को सशक्त बनाना है। प्रदेश के सम्बंधित विभागों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों और संबंधित संस्थानों से आग्रह किया गया है कि वे अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही प्रतिक्रिया और सुझाव claygo@gov.in पर भेज सकेंगे ताकि आवश्यक आँकड़ों का संकलन किया जा सके। उल्लेखनीय है कि एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी क्षेत्र को केंद्रीय बजट 2022-23 में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक नीति प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी गई थी। इसके तहत घरेलू क्षमता निर्माण और वैश्विक बाज़ारों की सेवा के लिए AVGC टास्क फोर्स का गठन किया गया। वेबिनार में मानव संसाधन और क्षमता संबंधी विषयों पर चर्चा की जाएगी. एनीमेशन, गेमिंग, ङ्कस्नङ्ग और ङ्गक्रजैसे क्षेत्रों में उद्योग अनुभव वाले प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या बढ़ाने, फैकल्टी डेवलपमेंट, उद्योग विशेषज्ञों को शिक्षा संस्थानों को मज़बूत करने विषयों पर चर्चा होगी।

सुसनेर में नगर परिषद कार्यालय के पीछे वाले हॉल में लगी आग, प्रशासन ने शुरू की जांच

आग में नगर परिषद के पुराने शासकीय रिकॉर्ड व कम्प्यूटर उपकरण जले

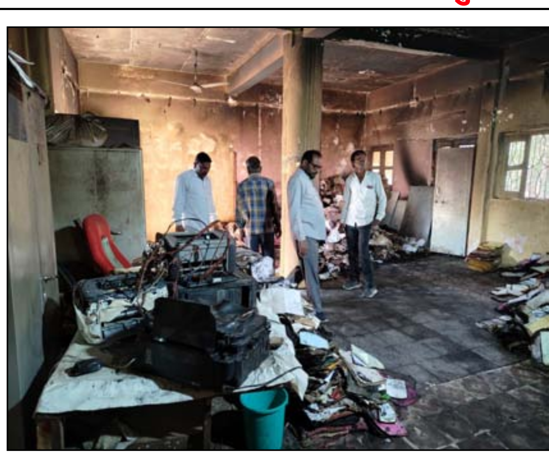

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद कार्यालय सुसनेर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अचानक आग लगने की घटना सामने आने से नगर में हड़कंप मच गया। आग नगर परिषद भवन के पीछे स्थित पुराने हॉल में अज्ञात कारणों से लगी, जिससे वहां रखे कई वर्षों पुराने शासकीय रिकॉर्ड, महत्वपूर्ण फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आग की चपेट में आ गए। सूचना मिलने के बाद नगर परिषद कर्मचारियों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझने के बाद कार्यालय के अंदर का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कई फाइलें और कार्यालय का सामान जला हुआ दिखाई दे रहा है। मुख्य नगर परिषद अधिकारी ओमप्रकाश नागर ने बताया कि 6 मार्च 2026 की रात वे अपने निजी निवास पर थे। इसी दौरान रात करीब 1:30 बजे कर्मचारी का फोन आया। उन्होंने बताया कि नगर परिषद कार्यालय के पीछे वाले कमरे से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही सीएमओ नागर तत्काल नगर परिषद कार्यालय पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि परिषद के कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी हुई थी। कर्मचारियों और दमकल कर्मियों के संयुक्त प्रयास से कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। जिससे आग को आगे फैलने से रोक लिया गया। आग पर काबू पाने के बाद जब कर्मचारियों ने नगर परिषद भवन के अंदर जाकर निरीक्षण किया तो पाया गया कि भवन के पीछे स्थित हॉल में रखे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कार्यालय का सामान आग की चपेट में आ गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग में करीब 20 से 25 वर्ष पुराने शासकीय रिकॉर्ड प्रभावित हुए हैं। इनमें नवीन नल कनेक्शन से संबंधित रिकॉर्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना की फाइलें, पुराने रसीद कट्टे, जन्म-मृत्यु पंजीयन से जुड़ी फाइलें तथा अन्य कई प्रशासनिक दस्तावेज शामिल हैं। इसके अलावा आग में दो लैपटॉप, एक कम्प्यूटर सेट तथा कार्यालय में रखी टेबल और कुर्सियां भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गईं। कई फाइलें पूरी तरह जल गईं। जबकि कुछ फाइलें आंशिक रूप से झुलस गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी रिकॉर्ड का विस्तृत परीक्षण करने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितने दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हुए हैं और कितने आंशिक रूप से सुरक्षित हैं। नगर परिषद कार्यालय में लगी आग के कारण महत्वपूर्ण दस्तावेजों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि कई रिकॉर्ड की प्रतियां अन्य विभागों में भी उपलब्ध हो सकती हैं। इसलिए वास्तविक नुकसान का आकलन जांच के बाद ही किया जा सकेगा।

जांच दल ने मौके पर पहुँचकर की जांच शुरू- घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया। एसडीएम सर्वेश यादव के निर्देश पर तहसीलदार रामेश्वर दांगी, जनपद सीईओ के प्रतिनिधि उपयंत्री ऋषभ अग्निहोत्री, थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस, बिजली विभाग एई इमरान खान ने परिषद कार्यालय पहुंचकर घटनास्थल की बारीकी से जांच की ताकि गतिविधियों का पता चल सके। जिसके बाद जांच दल ने नगर परिषद कर्मचारियों से घटना के संबंध में जानकारी ली और उनके बयान भी दर्ज किए। इसके साथ ही नगर परिषद भवन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांची गई ताकि आग लगने की घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। प्रशासन का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और हर पहलू को ध्यान में रखकर पड़ताल की जा रही है।

ई-रिक्शा खरीदी फाइलें सुरक्षित होने का दावा- नगर परिषद कार्यालय में आगजनी की घटना के बाद मामला सवालों के घेरे में आ गया है। कुछ लोगों द्वारा इसे ई-रिक्शा खरीदी मामले से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि सीएमओ ओपी नागर ने इन कयासों को खारिज करते हुए कहा कि आग में केवल पुराना रिकॉर्ड ही जला है। उन्होंने बताया कि वर्तमान के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज पूरी तरह सुरक्षित हैं। वहीं ई-रिक्शा खरीदी से संबंधित दस्तावेज ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त के पास भी मौजूद हैं।

घटनाक्रम इस प्रकार रहा

रात 10:48 बजे नगर परिषद कार्यालय का चौकीदार बाइक से कार्यालय पहुंचा।

रात 11:38 बजे चौकीदार किसी कार्य से वापस अपने घर चला गया।

रात 12:49 बजे सीसीटीवी फुटेज में नगर परिषद भवन के पीछे वाले हिस्से से आग की लपटें दिखाई देना शुरू हुई।

रात करीब 1:15 बजे सबसे पहले पुलिस मौके पर पहुंची।

इसके बाद डायल 112 की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

सूचना मिलने के बाद आसपास के रहवासी भी मौके पर पहुंच गए।

इसके बाद नगर परिषद के कर्मचारियों के मौके पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ।

कर्मचारियों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया और कुछ समय बाद आग पर काबू पा लिया गया।

सीसीटीवी फुटेज को लेकर भी उठे सवाल- सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज का कुछ हिस्सा ही देखा गया। बताया जा रहा है कि यदि फुटेज को आगे तक देखा जाता तो नगर परिषद की दमकल गाड़ी और चौकीदार के वापस पहुंचने से जुड़ी जानकारी भी सामने आ सकती थी। हालांकि इस संबंध में अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। प्रशासन का कहना है कि आवश्यकतानुसार सीसीटीवी फुटेज की आगे भी जांच की जाएगी।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगा वास्तविक नुकसान- नगर परिषद अधिकारियों का कहना है कि आग में कितने दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हुए हैं और कितने आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं इसका सही आकलन रिकॉर्ड की पूरी जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल कर्मचारियों द्वारा जले हुए रिकॉर्ड को अलग किया जा रहा है और सुरक्षित बचे दस्तावेजों को व्यवस्थित किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आ पाएगा। नगर परिषद कार्यालय में लगी इस आग की घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं क्योंकि जिस स्थान पर महत्वपूर्ण शासकीय रिकॉर्ड रखे गए थे, वहां सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्था कितनी प्रभावी थी, इसकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल प्रशासन द्वारा पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना के कारणों और वास्तविक नुकसान की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

इनका कहना - आगजनी घटना को लेकर 4 सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल 3 दिन में जांच प्रतिवेदन सौंपेगा। उसके बाद घटना के वास्तविक कारणों का पता लग पायेगा।

-सर्वेश यादव, एसडीएम सुसनेर

आज रंगों से सराबोर होगी महाकालेश्वर की नगरी

भस्मारती में भगवान महाकाल को चढ़ेगा गुलाल, टेसू के रंग से होगा स्नान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली के बाद आज रविवार को रंगपंचमी पर महाकाल की नगरी उज्जैन रंग और उमंग में पूरी तरह डूब जाएगी। शहर में आस्था, परंपरा और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। भगवान महाकाल के आंगन से शुरू होने वाला रंगोत्सव पूरे शहर को अपने रंग में रंग देगा।

परंपरा के अनुसार सुबह भस्मारती के दौरान बाबा महाकाल को गुलाल अर्पित कर रंगपंचमी की शुरुआत होगी। इस अवसर पर भगवान का विशेष श्रृंगार भांग और सूखे मेवों से किया जाएगा। पुजारी-पुरोहित परंपरागत विधि से बाबा महाकाल पर फूलों की वर्षा करेंगे और टेसू (पलाश) के फूलों से तैयार प्राकृतिक रंग से भगवान को स्नान कराया जाएगा। वहीं

शाम होते-होते शहर की सड़कों पर रंगों की बौछार और ढोल-नगाड़ों की गूंज सुनाई देगी। महाकाल मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक महाकाल गेर इस बार पहले से अधिक भव्य रूप में दिखाई देगी।

ध्वज चल समारोह के साथ निकलेगी महाकाल गेर- रंगपंचमी के अवसर पर शाम को श्री महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह निकाला जाएगा। इसे महाकाल गेर के नाम से जाना जाता है। इस बार गेर में 51 ध्वज पताकाएं आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके अलावा इंदौर और महिदपुर से आने वाली आठ विशेष झांकियां धार्मिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करेंगी। इंदौर का प्रसिद्ध राजकमल बैंड और आधुनिक डीजे सिस्टम की जुगलबंदी श्रद्धालुओं में उत्साह भर देगी। विभिन्न अखाड़ों के युवा पारंपरिक शौर्य प्रदर्शन भी करेंगे।

श्रीकृष्ण-सुदामा रंग उत्सव में होंगे मुख्यमंत्री- रंगपंचमी के मौके पर शहर में पहली बार श्रीकृष्ण-सुदामा रंग उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह 9 बजे शामिल होंगे।

यह आयोजन सिंधी कॉलोनी से टॉवर चौक तक होगा। रास्ते में जीवंत झांकियां और फाग मंडलियां माहौल को उत्सवमय बनाएंगी। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार से ही प्रशासन और नगर निगम सक्रिय रहा।

निगम अपर आयुक्त संतोष टैगौर के नेतृत्व में सिंधी कॉलोनी चौराहे से टॉवर चौक तक सड़कों का पेंचवर्क, सफाई अभियान और मंच निर्माण का कार्य किया गया। स्वागत मंच और फ्लेक्स भी लगाए गए हैं ताकि आयोजन भव्य रूप ले सके।

क्रिकेट का रोमांच भी बढ़ाएगा उत्साह - रंगपंचमी की मस्ती के साथ रविवार शाम को क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह भी चरम पर रहेगा। शाम 7 बजे भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। शहर में जगह-जगह मैच देखने की तैयारियां की जा रही हैं। रंगों के साथ क्रिकेट का रोमांच भी लोगों के उत्साह को दोगुना कर देगा।

यहां भी रहेगी रंगपंचमी की मस्ती

गोपाल मंदिर- सुबह 8 बजे से मालवी रापट रोलिया, टमाटर, मुल्तानी मिट्टी और फूलों के रंगों से खेली जाएगी मथुरा-वृंदावन शैली की होली।

कहारवाड़ी- शाम 4 बजे पारंपरिक छड़ीमार होली, महिलाएं हाथों में छड़ियां लेकर युवाओं के पीछे दौड़ेंगी।

उर्दूपुरा- मारवाड़ी माली समाज द्वारा सात दिवसीय उत्सव के तहत दोपहर 12 बजे से पति-पत्नी की होली।

देवासगेट- यहां की प्रसिद्ध कड़ाव वाली छपाक होली आकर्षण का केंद्र बनेगी।

बसंत विहार- सांस्कृतिक मंच द्वारा 251 लीटर दूध की ठंडाई का वितरण कर उत्सव का समापन।

संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की निगरानी- रंगपंचमी को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क है। शनिवार सुबह पुलिस ने शहर के संवेदनशील क्षेत्र जीवाजीगंज और चिमनगंज थाना क्षेत्र की कॉलोनियों में फ्लैग मार्च किया। अधिकारियों ने शांति और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की है।

उज्जैन और रतलाम के बीच की दूरी 115 से घटकर 74 किलोमीटर रह जाएगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन-रतलाम के बीच के सड़क मार्ग की दूरी अब 40 किमी कम हो जाएगी। 115 किमी लंबी दूरी घटकर अब 74 किमी रह जाएगी। यह मार्ग है नईखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग। 150 करोड़ की लागत से इस 2-लेन मार्ग को बनाने की हरी झंडी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दे दी है। नईखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग महत्वपूर्ण 2-लेन परियोजना है, जो उज्जैन और बडऩगर को रतलाम से जोड़ेगी। यह नया मार्ग गंभीर डैम के पास से गुजरेगा, जिससे रतलाम से उज्जैन की दूरी लगभग 40 किलोमीटर कम हो जाएगी। सिंहस्थ 2028 को देखते हुए इसे एक प्रमुख सड़क सौगात माना जा रहा है। वर्तमान बदनावर-बडऩगर मार्ग (115 किमी) की तुलना में, यह नया मार्ग केवल 74 किमी लंबा होगा। यह मार्ग सीधे तौर पर उज्जैन, नागदा और रतलाम के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा।

रामघाट पर गहरे पानी में डूब रहा था युवक, तैराकों ने बचाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा में स्नान के दौरान श्रद्धालुओं के साथ हादसे होना बदस्तूर जारी है। घाट और सीढि़यों पर जमी काई के कारण श्रद्धालु फिसलकर गहरे पानी में चले जाते हैं। कई बार वहां तैनात जवान और तैराक श्रद्धालुओं को बचा लेते हैं लेकिन कई बार श्रद्धालुओं की मौत भी हो जाती है। शनिवार सुबह भी ऐसा ही हादसा रामघाट पर हुआ। जहां हरियाणा से परिवार के साथ आया युवक स्नान के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। इस दौरान वहां मौजूद तैराकों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रामघाट पर होमगार्ड के तैराक प्रभारी ईश्वर चौधरी और मां शिप्रा तैराक दल के सचिव संतोष सोलंकी ने बताया कि हरियाणा का रहने वाला 23वर्षीय अंकित पिता राजेंद्र सैनी परिवार के साथ महाकाल दर्शन करने के लिए उज्जैन आया था। शनिवार सुबह करीब 10 बजे वह परिवार के साथ रामघाट पर स्नान कर रहा था तभी गहराई का अंदाजा नहीं होने से वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे छटपटाता देख परिवार के सदस्य मदद के लिए चिल्लाए जिसके बाद वहां मौजूद होमगार्ड-एसडीईआरएफ जवान राहुल मंगलेश्वरी, संतोष सोलंकी और मां शिप्रा तैराक दल के रूपसिंह कहार और तेजा कहार ने बिना देर किए नदी में छलांग लगाई और अंकित सैनी को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद परिजनों ने जवानों व तैराकों को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि इन दिनों शिप्रा का जलस्तर काफी कम है जिससे अमूमन पानी में डूबी रहने वाली सीढि़यां दिखाई देने लगी हैं और उस पर जमी काई के कारण श्रद्धालु फिसलते हैं और गहरे पानी में चले जाते हैं। पहले भी इस वजह से श्रद्धालु चोटिल होते रहे हैं तो कई की जान भी जा चुकी है। बावजूद इसके जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं देते और इस तरह से श्रद्धालु हादसे का शिकार होते हैं।

पत्नी पर चाकू से हमला कर भागा पति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह कम पर जा रही पत्नी पर पति ने चाकू से हमला किया और भाग निकला। दोनों साल भर से अलग रह रहे हैं। पुलिस ने घायल पत्नी के बयान दर्ज किए हैं। फजलपुर स्थित नगरकोट में रहने वाली नीतू पति भगवान सिंह 40 साल को सुबह घायल हालत में चरक अस्पताल लाया गया था। उसे चाकू के गहरे घाव लगे थे। डॉक्टर ने उपचार के बाद भर्ती किया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के आने पर सामने आया कि नीतू पर चाकू से हमला उसके पति ने किया है। पति भगवान सिंह मिस्त्री का काम करता है और शराब पीने का आदी है जिसके चलते नीतू साल भर से बच्चों को लेकर अलग रह रही थी। वह घरों में बर्तन साफ कर बच्चों का पालन पोषण कर रही है। सुबह काम पर जाते समय अचानक पति सामने आ गया और हमला कर भाग निकला। पुलिस ने नीतू के बयान दर्ज कर हमलावर पति की तलाश शुरू की है।

रंगपंचमी पर पुलिस की त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी में आज सुबह रंगपंचमी पर निकलने वाली गैर और शाम को महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह दौरान आने वाले जनसैलाब की सुरक्षा के लिए पुलिस ने सुरक्षा की तैयारी शुरू कर दी है इस बार डिजिटल कवच के साथ त्रि-स्तरीय निगरानी शुरू कर दी है।

रंगपंचमी पर नगर गैर के साथ कृष्ण सुदामा रंग उत्सव का आयोजन सुबह के समय किया गया है, वही शाम को महाकालेश्वर मंदिर से निकलने वाली ध्वज यात्रा में भी आस्था के साथ रंग गुलाल दिखाई देगा। रंग उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री की भी मौजूदगी गृह नगर में होगी। जिसके चलते पुलिस प्रशासन द्वारा जनसुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम शुरू किए हैं। सुरक्षा के लिए डिजिटल कवच के रूप में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। शनिवार सुबह से ही पुलिस द्वारा निकलने वाली गैर मार्ग पर डिजिटल स्तर पर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया था। चेकिंग की निगरानी अधिकारियों द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। रंग पंचमी पर सुरक्षा व्यवस्था के लिये पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता और पुलिस अधीक्षकप्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई है। जो यह हर मार्ग की ऊंची बिल्डिंगो, संकरी गलियों और संवेदनशील चौराहों पर तीसरी आंख% ड्रोन कैमरों के जरिए %से नजर रख रही है। इस दौरान कोई अप्रिय वस्तु या पत्थर जमा ना कर सके इसके ध्यान रखा जा रहा है, साथ ही भीड़ के घनत्व की निगरानी कर रहे हैं, जिससे ट्रैफिक और भीड़ को समय रहते डायवर्ट किया जा सके। डिजिटल स्तर पर निगरानी के साथ शहर के प्रमुख चौराहा पर चेकिंग पाइंट लगाए गए हैं ताकि कोई असामाजिक तत्व हुड़दंग ना कर सके। चेकिंग पाइंट पर हाई-डेफिनिशन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है।

सड़क चौड़ीकरण पर आंदोलन की चेतावनी देने वाले विधायक कालूहेड़ा को संगठन की समझाइश

भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी ने ली बैठक, धरना देने के बयान पर जताई नाराजगी, बाद में सीएम डॉ. मोहन यादव से भी हुई चर्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पीपलीनाका क्षेत्र में प्रस्तावित तीन सड़कों के चौड़ीकरण को लेकर भाजपा विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा द्वारा आंदोलन की चेतावनी दिए जाने के बाद पार्टी संगठन सक्रिय हो गया। भोपाल स्थित पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने विधायक से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी। करीब आधे घंटे तक चली बैठक में दोनों नेताओं ने सड़क चौड़ीकरण की पूरी वस्तुस्थिति जानी और विधायक द्वारा धरने पर बैठने के दिए गए बयान पर सवाल उठाए। संगठन की ओर से स्पष्ट किया गया कि सार्वजनिक रूप से आंदोलन की चेतावनी देना पार्टी की नीति के अनुरूप नहीं है और संगठन द्वारा तय दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक है।

बैठक के दौरान विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्रवासियों से सड़क को 24 मीटर तक चौड़ा करने का वचन दिया था, लेकिन अब इसे 30 मीटर तक चौड़ा करने की योजना बनाई जा रही है। इससे स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है और उनके सामने असहज स्थिति बन रही है। विधायक के अनुसार, क्षेत्र के रहवासी लंबे समय से सड़क चौड़ीकरण को लेकर चिंतित हैं और उन्हें विस्थापन की आशंका है। ऐसे में उन्होंने लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए आंदोलन की बात कही थी। प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी ने विधायक का पक्ष सुनने के बाद कहा कि इस तरह के मामलों में संगठन और सरकार के स्तर पर संवाद के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने विधायक को सलाह दी कि किसी भी मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से आंदोलन की घोषणा करने से पहले पार्टी मंच पर चर्चा करना बेहतर होगा। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी और विधायक तीनों मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। यहां सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव और क्षेत्रवासियों की चिंताओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों की बात सुनने के बाद मामले को संतुलित तरीके से सुलझाने के संकेत दिए हैं, ताकि विकास कार्य भी प्रभावित न हों और स्थानीय लोगों की समस्याओं का भी समाधान हो सके। फिलहाल सड़क चौड़ीकरण को लेकर राजनीतिक और स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है।

उज्जैन को मिली हॉकी टर्फ की सौगात, 49 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक मैदान

नानाखेड़ा खेल परिसर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया भूमिपूजन, टेंडर प्रक्रिया के बाद शुरू होगा निर्माण कार्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन शहर को शनिवार को खेल सुविधाओं के विस्तार की बड़ी सौगात मिली। शहर में 49 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आधुनिक हॉकी टर्फ मैदान का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भूमिपूजन किया। यह टर्फ नानाखेड़ा स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर में बनाया जाएगा, जिससे शहर के हॉकी खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में खेल परिसर के बैडमिंटन हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जिला खेल अधिकारी ओपी हारोड ने बताया कि भूमिपूजन के बाद निर्माण कार्य के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंडर फाइनल होने के बाद मैदान निर्माण का काम प्रारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एस्ट्रो टर्फ दरअसल कृत्रिम घास से तैयार किया गया मैदान होता है। यह सिंथेटिक फाइबर से बनाया जाता है, जो देखने में प्राकृतिक घास जैसा लगता है। इस तरह के मैदान का उपयोग मुख्य रूप से हॉकी के साथ-साथ फुटबॉल और टेनिस जैसे खेलों में भी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिताएं भी इसी प्रकार के टर्फ मैदान पर आयोजित की जाती हैं।

हर मौसम में खेल की सुविधा- एस्ट्रो टर्फ का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे हर मौसम में उपयोग किया जा सकता है। यह मैदान जल्दी खराब नहीं होता और हमेशा समतल बना रहता है। खिलाड़ियों को बेहतर गति और नियंत्रण मिलता है, जिससे उनके खेल में भी सुधार होता है। खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा फायदा- फिलहाल उज्जैन के करीब 70 हॉकी खिलाड़ी पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में अभ्यास करते हैं, जो कि मिट्टी का मैदान है। मिट्टी के मैदान में अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर गुना, मंदसौर, शिवपुरी और बैतूल जैसे छोटे शहरों में पहले से एस्ट्रो टर्फ मैदान मौजूद हैं, जहां से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं। जिला हॉकी संघ के अनुसार उज्जैन के खिलाड़ी मिट्टी के मैदान पर अच्छा अभ्यास करते हैं, लेकिन जब वे टर्फ मैदान पर खेलने जाते हैं तो तकनीक में बदलाव के कारण उन्हें कठिनाई होती है। नानाखेड़ा में टर्फ बनने के साथ ही यहां स्टेडियम का भी विकास होगा। इससे भविष्य में उज्जैन में बड़े हॉकी टूर्नामेंट और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 जिला स्तरीय उपार्जन समिति बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जिला प्रबंधक वेयरहाउसिंग को आवश्यक भण्डारण व्यवस्था करने, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को प्रत्येक केन्द्रवार समय पर बारदान उपलब्ध कराने और अनुविभागवार परिवहन प्लान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय के लिए पंजीयन की तिथि 10 मार्च तक बढ़ाई गई।

प्रशासनिक संकुल भवन स्थित सम्राट विक्रमादित्य सभागार में आयोजित बैठक में अवगत कराया गया कि वर्ष 2026-27 में 197 उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए जाएंगे। जिले में अब तक 1,00,185 कृषको का पंजीयन 146 पंजीयन केन्द्रों पर किया गया है। किसान पंजीयन अवधि 07 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च की गई है। अनुमानित उपार्जन अनुसार भण्डारण, परिवहन, बारदान, उपार्जन केन्द्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाना है। कलेक्टर श्री सिंह ने महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं सहकारिता विभाग को उपार्जन केन्द्रों पर शासन निर्देशानुसार व्यवस्थाएं करने के लिए निर्देशित किया गया ताकि उपार्जन तिथि 16 मार्च से सुचारू रूप से उपार्जन का कार्य प्रारंभ किया जा सके एवं कृषकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री जैन ने धन्वन्तरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय में प्रधानाचार्य डॉ. जे.पी. चौरसिया ने बताया कि गत दिवस प्रमुख सचिव आयुष श्री शोभित जैन ने चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव श्री जैन ने चिकित्सालय में पैथालॉजी लेब, पंचकर्म वेलनेस सेंटर, फिजियोथैरेपी, क्रियाकल्प, ओटी एवं एनबीएसयू यूनिट, ओपीडी/आईपीडी के साथ ही चिकित्सा सेवा कार्य व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया। चिकित्सालय में सायंकालीन ओपीडी शीघ्र प्रारंभ करने एवं रोगियों के जांच शुल्क चार्ट प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री जैन ने पंचकर्म वेलनेस सेंटर सुसज्जित करने, स्त्री रोग प्रसूति तंत्र एवं अन्य विभागों में स्टोर रूम के साथ ही चिकित्सालय में लॉंड्री मशीन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव श्री जैन ने सिंहस्थ 2028 मद से महाविद्यालय में 250-250 सीट की क्षमता वाले बालक एवं बालिका छात्रावास के नवीन निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। श्री जैन ने शिक्षक, अधिकारी, चिकित्सा अधिकारियों का डाटा (एम.एच.) पोर्टल पर दर्ज करवाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पी.जी. स्कॉलर एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में 2 भाइयो के साथ दादा पर हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भैंस चराने का युवक पर गांव के ही 8-10 लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते लाठी डंडों से हमला कर दिया। युवक से मारपीट की खबर भाई और दादा को मिली तो वह बीच बचाव करने पहुंचे। हमला वालों ने उन्हें भी पीट दिया।

मामला ग्राम भगतपुर मकड़ोन का है। यहां रहने वाला दिनेश पिता इंदर सिंह गुर्जर 18 वर्ष शुक्रवार को भैंस चराने जंगल की ओर गया था जहां से वापस लौटते समय पुरानी रंजिश के चलते गांव में ही रहने वाले भगतसिंह, देवी सिंह, निर्भय, सोनू, तूफान, ईश्वर, कालू, मोकम, विष्णु, घनश्याम और आत्माराम ने लाठियां से हमला कर दिया। दिनेश के साथ मारपीट हो रही थी इसका पता भाई विनोद और दादा इंदु सिंह को लगा तो वह बीच बचाव करने पहुंचे लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी घेर लिया और बुरी तरह मारपीट की। दिनेश के साथ भाई और दादा के घायल होने पर उन्हें उपचार के लिए भगतपुर से उज्जैन लाया गया चरक अस्पताल में तीनों का उपचार चल रहा है। मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दी गई है। पुलिस अस्पताल में भर्ती घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू करेगी।

जिले मे स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर प्रदायगी के लिए सीएमएचओ डॉ. पटेल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंवासा का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंवासा में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत ए.एन.सी. पंजीयन कर 04 ए.एन.सी. जांच शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। श्री पटेल ने हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनका प्रसव पूर्व प्रबंधन करने के साथ ही क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं से निरन्तर समन्वय कर उनका संस्थागत प्रसव सम्पादित करवाने व डिलेवरी अपडेशन सहित अनमोल पोर्टल पर समस्त प्रकार की प्रविष्टी भी शतप्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। श्री पटेल ने निरीक्षण के दौरान संस्था के अन्तर्गत सी.एम. हेल्पलाईन पर दर्ज शिकायतों का अविलम्ब त्वरित निराकरण करने सहित हितग्राहिमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को यथासमय लाभ पहुंचाने और आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत समस्त पात्र नागरिकों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए निर्देश दिए साथ ही संस्था में साफ - सफाई नियमित करने, आने वाले मरीजों के प्रति मधुर व्यवहार बरते जाने, एचपीवी टीकाकरण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गत दिवस महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, जिला पंचायत की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति की सभापति? श्रीमती राधिका कुंवर एवं ज़िला पंचायत सदस्य श्रीमती अजीता परमार उपस्थित रही।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्?यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर द्वारा महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो भी काम की जिम्मेदारी आप लें उसे पूरी निष्ठा के साथ जब करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। साथ ही सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते चलें। सभापति? श्रीमती राधिका कुंवर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम भूमिका है। जब एक पुरुष पढता है तो एक परिवार को शिक्षित करता है, लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तो दो परिवारों को शिक्षित करती है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्?य श्रीमती अजीता परमार ने कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में से एक थीं और उन्होंने उस समय बालिकाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया, जब समाज में लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उनके प्रयासों के कारण आज महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और ÷बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ÷ जैसे अभियानों के महत्व पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में महिला बाल विकास सहायक संचालक श्रीमती रीना शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 50 महिलाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी श्रीमती अर्चना दलाल, श्रीमती प्रीति? कटारा, श्रीमती ज्योत्सना दीक्षित एवं सुश्री प्रियंका जायसवाल, श्रीमती वीणा बोरासी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर उज्जैन उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन प्रियंका त्रिपाठी द्वारा किया गया द्य कार्यक्रम में मोटे अनाज से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता एवं महिला सशक्तिकरण थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

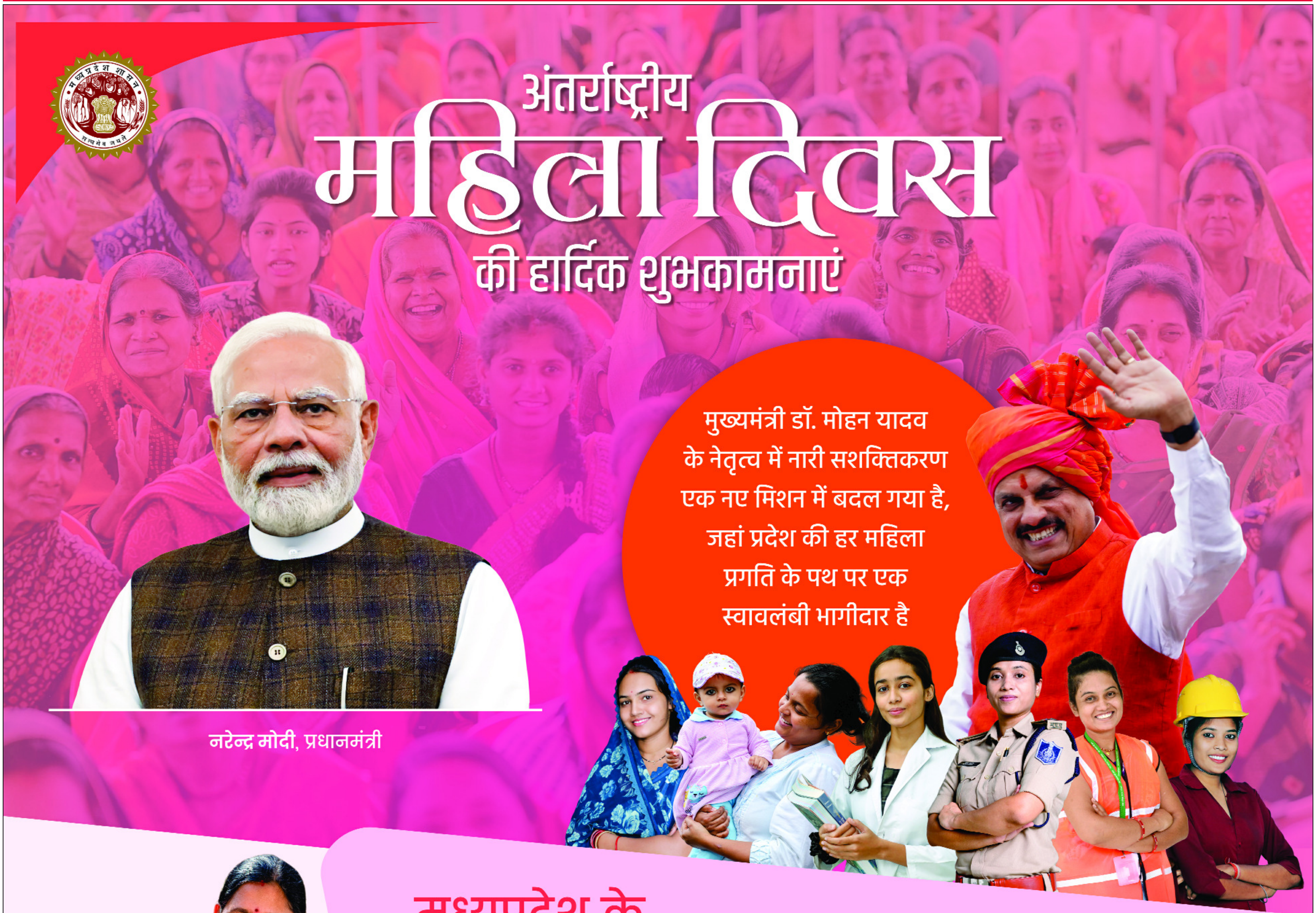

मध्यप्रदेश के प्रगतिशील परिवर्तन की स्वावलंबी भागीदार नारी शक्ति

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण

- 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह ₹1500 की सहायता से सुनिश्चित हो रहा **आर्थिक स्वावलंबन**
- महिलाओं के नाम संपत्ति पर रजिस्ट्री शुल्क में 2% विशेष रियायत से मिला भूमि और संपत्ति पर अधिकार
- 62 लाख **महिलाएं स्व-सहायता** समूहों से जुड़कर हुईं आत्मनिर्भर
- **'लखपति दीदी योजना'** से 12 लाख+ महिलाओं की वार्षिक आय हुई ₹1 लाख से अधिक
- 89 लाख महिलाओं को **उज्ज्वला** गैस कनेक्शन और लाड़ली बहनों को **₹450 में सस्ते गैस सिलेंडर से मिली** रसोई में राहत
- 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान से कृषि में बढ़ रही भागीदारी

प्रशासनिक-राजनीतिक भागीदारी

- शासकीय नौकरियों में **35% तक आरक्षण** से बढ़ी प्रशासनिक एवं निर्णयकारी पदों पर महिलाओं की मौजूदगी
- पंचायत एवं नगरीय निकायों में **50% तक आरक्षण से मिली लोकतंत्र** में ऐतिहासिक भागीदारी

सुरक्षा ने बढ़ाया आत्मविश्वास

- **'वन स्टॉप सेंटर'** से हिंसा पीड़िता को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कानूनी परामर्श, हर जिले में सुरक्षित एवं त्वरित सहायता
- थानों में विशेष **महिला हेल्प डेस्क**
- संकट की स्थिति में डायल **181/1098** या **112** पर तुरंत सहायता
- छात्राओं एवं कार्यरत महिलाओं के लिए **सुरक्षित और किफायती छात्रावास**

शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों तक पहुंच

- जन्म से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता दे रही **लाड़ली लक्ष्मी योजना**
- जन्मदर सुधार, शिक्षा प्रोत्साहन और बालिकाओं की सुरक्षा पर केंद्रित अभियान **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**
- **एमएसएमई** इकाइयों में महिलाओं को प्रोत्साहन, 47% से अधिक एमएसएमई महिलाओं के नेतृत्व में संचालित
  - कौशल, परामर्श और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु **हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमन** एकीकृत केंद्र संचालित
  - कौशल और रोज़गार सहायता के लिए **'हम होंगे कामयाब'** कार्यक्रम

स्वास्थ्य की बेहतरी

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** से गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण सहायता
- **जननी सुरक्षा योजना** से ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को सीधी सहायता
- गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण तथा बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हेतु **आंगनवाड़ी सेवाएं**
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरुकता हेतु **सुमन सखी चैटबॉट** की शुरुआत

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D11217/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026